दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 91 | ग्वालियर, सोमवार, 09 जनवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

2 पेज

पेज 7

एक नजर

कंझावला कांड के एक हफ्ते बाद दिल्ली पुलिस का नया नियम, नाइट ड्यूटी पर तैनात इंस्पेक्टर शेयर करेंगे लाइव लोकेशन

नई दिल्ली। कंझावला की घटना के करीब एक हफ्ते बाद दिल्ली पुलिस ने अपने कर्मचारियों को लेकर सख्ती बरती है. दिल्ली पुलिस ने नाइट ड्यूटी को लेकर नए नियम बनाए हैं. दिल्ली पुलिस ने सभी इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों से रात के समय उनकी लाइव लोकेशन को साझा करने के लिए कहा है. इसके साथ सभी थाना प्रभारियों को भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं. दिल्ली पुलिस ने नाइट ड्यूटी पर तैनात सभी इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों से रात के समय अपने लाइव लोकेशन को शेयर करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं. एसएचओ, एटीओ और जांच अधिकारी अपनी लाइव लोकेशन को साझा करेंगे. दिल्ली पुलिस के बड़े अधिकारियों ने कहा है कि सभी थाना प्रभारी एसएचओ, आतंकवाद रोधी अधिकारियों और इन्वेस्टिगेशन इंसेप्क्टर को भी थाना छोड़ने से पहले डीसीपी को सूचित करने का निर्देश दिया गया है.

बिना इजाजत के नहीं छोड़ सकते पुलिस स्टेशन-दिल्ली पुलिस की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक इंस्पेक्टर स्तर के अफसरों को लाइव लोकेशन के साथ अपनी स्थिति अपडेट करनी होगी. कोई भी पुलिस कर्मी बिना डीसीपी की अनुमति के पुलिस स्टेशन को नहीं छोड़ सकता है. आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि यह फैसला एक जनवरी को कार से स्कूटी सवार अंजलि को घसीटने की घटना के मद्देनजर लिया गया है.

नए साल पर अंजलि की हुई थी मौत-गौरतलब है कि 20 साल की युवती अंजलि सिंहहोटल में पार्टी करने के बाद अपनी एक दोस्त के साथ स्कूटी पर घर जा रही थी, तभी नए साल की रात में कार ने टक्कर मार दी और उसे कार काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई, जबकि उसकी सहेली निधि को मामूली चोटें आईं और वो बाल-बाल बच गई. बताया गया कि दोनों नशे में थीं और दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ था. इस मामले में अबतक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

दरिंदगी की इंतेहा! पता होने के बावजूद 12 किमी तक घसीटी अंजलि की लाश

नई दिल्ली। कंझावला केस में आरोपियों ने दरिंदगी की हर हद पार कर दी है. इस मामले में अब एक और बड़ा खुलासा हुआ है. दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक गाड़ी में बैठे आरोपियों ने कबूल किया है कि घटना के कुछ देर बाद ही पता चल गया था कि लड़की की बॉडी गाड़ी में फंसी हुई है. पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपियों ने इसलिए बॉडी नहीं निकाली क्योंकि उन्हें डर था कि अगर किसी ने उन्हें बॉडी निकालते हुए देख लिया तो वो फंस सकते हैं, इसलिए आरोपियों ने सोचा कि चलती गाड़ी से बॉडी अपने आप निकल जाएगी. यानी कि इन आरोपियों को अच्छी तरह मालूम था कि इनकी गाड़ी में एक लाश लटकी हुई है और फंसने के डर के कारण उन्होंने लाश को कई किलोमीटर तक घसीटना सही समझा. आरोपियों ने खुद अपना गुनाह पुलिस के आगे कबूल कर लिया है. अब तक इस मामले में एकाएक ऐसे खुलासे हो रहे हैं जिससे लोगों का रोष और बढ़ता जा रहा है.

पूल किनारे बिकिनी में मदमस्त दिखीं शमा सिकंदर, किलर पोज ने उड़ा दिये होश

मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस शमा सिकंदर अपने दिलकश अंदाज से अक्सर फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराती हुई नजर आती रहती हैं. इस बीच शमा सिकंदर की लेटेस्ट बिकिनी तस्वीरें सामने आई हैं. दरअसल संडे मॉर्निंग को शमा सिकंदर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है. शमा सिकंदर की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि अपनी बिकिनी लुक से शमा कहर बरपा रही हैं. साथ ही इन तस्वीरों में शमा सिकंदर की कातिलाना अदाएं भी आपके होश उड़ाने के लिए काफी हैं. सोशल मीडिया पर शमा सिकंदर की इन लेटेस्ट बिकिनी फोटो को काफी पसंद किया जा रहा है. शमा सिकंदर के चाहने वाले उनकी इन लेटेस्ट तस्वीरों पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं. ये पहला मौका नहीं है जब शमा सिकंदर की बिकिनी फोटो चर्चा का विषय बनी हैं. इससे पहले भी कई मौकों पर शमा सिकंदर की अपने बिकिनी अवतार से लाइमलाइट का हिस्सा बन चुकी हैं.

हिमाचल प्रदेश को मिली नई कैबिनेट, सात विधायक बने मंत्री

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के मंत्रिमंडल का आज विस्तार हो गया. प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सात विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई. सबसे पहले सोलन से सबसे पुराने विधायक धनी राम शांडिल्य ने शपथ ली. इसके बाद सिरमौर के शिलाई से छह बार के विधायक हर्षवर्धन चौहान, किन्नौर के पूर्व डिप्टी स्पीकर जगत सिंह नेगी, पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह बेटे शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह, कांगड़ा के जवाली से चंदर कुमार, कुसुमपट्टी से विधायक अनिरुद्ध सिंह और जुब्बल-कोटखाई से चार बार के विधायक रोहित ठाकुर ने मंत्री पद की शपथ ली है.

एक माह बाद हुआ सुक्खू कैबिनेट का विस्तार-बता दें कि हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी. कांग्रेस के पक्ष में चुनाव परिणाम आने के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री बनाया गया था. उनके साथ डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री को बनाया गया था. ठीक एक माह बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू के कैबिनेट का विस्तार भी हो गया है. आज प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सात विधायकों को शपथ दिलाई.

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की कुल 68 सीटों में से 40 सीटों पर जीत दर्ज की थी. इस बार बीजेपी सिर्फ 25 सीटें ही जीत पाई. आम आदमी पार्टी एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाई. इस बीच मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सीएम सुक्खू ने रविवार को छह एमएलए को मुख्य संसदीय सचिव पद की शपथ दिलाई थी. बताया जा रहा है कि ये सभी विधायक मंत्री पद के दावेदार थे. इन लोगों को मंत्री न बनाकर मुख्य संसदीय सचिव पद पर एडजस्ट किया गया है. जिन विधायकों को संसदीय सचिव बनाया गया है उनमें रामकुमार चौधरी, मोहन लाल ब्राक्टा, रामकुमार, आशीष बुटेल, किशोरीलाल, संजय अवस्थी शामिल हैं. हिमाचल प्रदेश में सबसे पहले मुख्य संसदीय सचिव बनाने की पहल वीरभद्र सरकार में शुरू हुई थी.

दिल्ली में नाइजीरियाई नागरिकों का बवाल, बिना वीजा रह रहे तीन लोगों को पकड़ने गई पुलिस पर हमला

नई दिल्ली। दिल्ली के नेब सराय इलाके से तीन नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर अफ्रीकी मूल के करीब 100 लोगों की भीड़ ने शनिवार को हमला कर दिया. वीजा अवधि समाप्त होने पर हिरासत में लिए गए नाइजीरियाई नागरिकों को छुड़ाने के लिए भीड़ ने पुलिस कर्मियों को घेर लिया और उनसे भिड़ गई. यह घटना शनिवार को उस समय हुई जब नारकोटिक्स सेल की एक टीम ने नेब सराय के राजू पार्क में विदेशी नागरिकों के निर्वासन की कार्यवाही करने के लिए दौरा किया. पुलिस ने तीन नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया, जिनके वीजा की अवधि समाप्त हो गई थी.

दो बंदी चकमा देकर भागे-मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद अफ्रीकी मूल के 100 से ज्यादा लोग जमा हो गए और उन्होंने पुलिस टीम को घेर लिया. हंगामे के दौरान तीन में से दो बंदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए. हालांकि, 22 वर्षीय फिलिप बच नहीं सका और उसे गिरफ्तार कर लिया गया. इसके बाद, रविवार (8 जनवरी) सुबह 6.30 बजे नेब सराय पुलिस स्टेशन और नारकोटिक्स दस्ते की एक संयुक्त टीम ने राजू पार्क इलाके का दौरा किया और एक महिला सहित चार नाइजीरियाई लोगों को हिरासत में लिया.

निर्वासन की कार्यवाही शुरू-गिरफ्तार किए गए लोगों को पुलिस से बचने में मदद करने की कोशिश करने पर अफ्रीकी मूल के लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया. हालांकि, पुलिस ने स्थिति से निपटने में कामयाबी हासिल की और अपराधियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया और उन्हें नेब सराय पुलिस स्टेशन ले गई. उनके निर्वासन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है.

क्या मुझे प्रधानमंत्री के पैर छूने पड़ेंगे ?

नई दिल्ली। बंगाल की ममता सरकार और केंद्र की मोदी सरकार के बीच कई मुद्दों को लेकर खींचतान बरकरार है. हाल ही में जब प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताओं की खबरें आई तो जांच करने के लिए एक केंद्रीय टीम बंगाल पहुंची. इस पर बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के बीच बयानबाजी अभी जारी ही है. वहीं अब पंचायत चुनाव से पहले केंद्र सरकार की स्कीम पर सियासत तेज हो गई है. दरअसल, बीते साल 26 दिसंबर को केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल को मनरेगा के बकाया भुगतान के लिए मंजूरी दे दी थी. इस मुद्दे को टीएमसी सरकार ने कई बार उठाया था. हाल ही में नरेगा संघर्ष मोर्चा, जो योजना से जुड़े मुद्दों को उठाता है, ने केंद्र पर पश्चिम बंगाल में मनरेगा फंड के 7,500 करोड़ रुपये से अधिक रोके जाने का आरोप लगाया. इसमें कहा गया है कि ग्रामीण रोजगार योजना के तहत काम करने वालों के वेतन का भुगतान न करना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है. केंद्र ने धन को रोकने के लिए ÷केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन न करने÷ का हवाला दिया है. केंद्र पर निशाना साधते हुए मजदूर किसान शक्ति संगठन के संस्थापक सदस्य निखिल डे ने भी इस मामले को उठाया और ट्वीट किया, केंद्र कहता है कि राज्य भ्रष्ट है, इसलिए फंड काट दो! कौन पीड़ित है। मनरेगा के फंड को रोकने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई पत्र लिखे. उन्होंने अपने पत्रों में मनरेगा के भुगतान से लेकर जीएसटी के बकाए का मुद्दा भी उठाया. पिछले साल मई में भेजे गए एक पत्र में ममता ने मनरेगा और पीएम आवास योजना, दोनों फंड जारी करने के लिए पीएम के हस्तक्षेप की मांग की. उन्होंने कहा, ÷पश्चिम बंगाल में मजदूरी भुगतान चार महीने से अधिक समय से लंबित है क्योंकि भारत सरकार फंड जारी नहीं कर रही है. नवंबर में उन्होंने कहा, ÷मैं व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री से मिली और इस मामले पर उनसे बात की. क्या अब मुझे उनके पैर छूने पड़ेंगे? उसी महीने, पश्चिम बंगाल के पंचायत मंत्री प्रदीप मजूमदार ने दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की और बैठक के बाद मनरेगा फंड के जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई.

पत्नी ने झगड़े में भेजा जेल, बाहर निकलते ही पति ने पेचकस से गोदा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में रविवार को एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया. यहां जहांगीरपुरी इलाके में रहने वाले एक शख्स ने अपनी पत्नी से हुए झगड़े का बदला लेने के लिए उसे पेचकस मार-मारकर लहूलुहान कर दिया. शख्स इतने पर ही नहीं रुका. पेचकस मारने के बाद उसने दांतों से अपनी पत्नी की नाक भी काट दी. घर में चीख पुकार सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस को फोन करके मामले की जानकारी दी. सूचना मिलते ही डायल 100 की एक गाड़ी बताए गए स्थान पर पहुंच गई और शख्स को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के मुताबिक, आरोपी डेटिंग-पेंटिंग का काम करता है. आरोपी ने पहले पत्नी पर कई बार स्क्रूड्राइवर से हमला किया और फिर दांत से

उसकी नाक काट ली. आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत मिलते ही एफआईआर दर्ज कर ली गई.

जेल से निकलते ही किया हमला-आरोपी का नाम चेतराम है, जिसे बीते सप्ताह पत्नी से झगड़ा करने के चक्कर में सीआरपीसी की धारा 107/151 के तहत जेल भेजा गया था. 2 दिन बाद आरोपी जेल से बाहर निकल कर आया लेकिन वह पत्नी से बहुत गुस्सा था. घर आते ही उसने स्क्रूड्राइवर उठाया और अपनी पत्नी के ऊपर कई बार वार किया. फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच की जा रही है. पता चला है कि पति पत्नी में अक्सर झगड़ा होता रहता था.

युवक ने लड़की पर किए थे चाकू से वार-आपको बता दें कि दिल्ली में क्राइम की खबरें लगातार सामने आ रही हैं. इससे पहले दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में बीते सोमवार को ब्रेकअप से नाराज युवक ने लड़की पर चाकू से 6 वार किए. इसमें लड़की बुरी तरह जख्मी हो गई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया.

कंगाल पाकिस्तान में भुखमरी की स्थिति, जरूरी चीजों के दाम आसमान पर

नई दिल्ली। पाकिस्तान में आर्थिक संकट धीरे-धीरे और गहराता जा रहा है. देश में भुखमरी की स्थिति बन गई है. जरूरी चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं. देश में लोगों की क्रय की शक्ति धीरे-धीरे घटती जा रही है. खाद्य पदार्थ से लेकर ईंधन तक हर रोज इस्तेमाल होने वाली चीजों के दाम बेतहाशा बढ़ते जा रहे हैं. पाकिस्तान में साप्ताहिक महंगाई दर पिछले साल की तुलना में 30 फीसदी से अधिक बढ़ी है.

महंगाई दर में 30 फीसदी इजाफा-पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, खाद्य पदार्थों और फ्यूल की कीमतों में इजाफे के साथ पाकिस्तान में साप्ताहिक महंगाई दर पिछले साल की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है. साप्ताहिक मुद्रास्फीति को संवेदनशील मूल्य सूचकांक से मापा जाता है. पाकिस्तान स्टैटिस्टिक्स ब्यूरो ने देशभर के 17 प्रमुख शहरों में 50 बाजारों से इकट्ठा 51 आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर अपनी साप्ताहिक रिपोर्ट में कहा कि देश महंगाई में साल-दर-साल 30.60 फीसदी बढ़ोतरी दर्शाता है.

दोहरे अंको में महंगाई बढ़ी-पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि संवेदनशील मूल्य सूचकांक में वित्त वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान मामूली बदलाव के साथ 2021 से दोहरे अंकों में वृद्धि देखी जा रही है. डॉन के अनुसार, थोड़े-थोड़े अंतराल पर आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव का आकलन करने के लिए संवेदनशील मूल्य सूचकांक की गणना साप्ताहिक आधार पर की जाती है. डॉन के मुताबिक, पाकिस्तान में प्याज के दाम में 501 फीसदी और चिकन के दाम में 82.5 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. गेहूं का आटा और चाय भी पिछले साल की समान अवधि की तुलना में क्रमशः 45 फीसदी और 65.41 फीसदी महंगे हुए हैं. डीजल की कीमतों में करीब 61 फीसदी की बढ़ोतरी की खबर है. पेट्रोल के दाम 48.21 फीसदी, अंडे के दाम 50.51 फीसदी, नमक पाउडर के दाम 49.50 फीसदी, दलहन मूंग के दाम 47 फीसदी और टूटे बासमती चावल के दाम 46 फीसदी बढ़े हैं.

पद को लेकर विवाद! बीजेपी दफ्तर में जमकर हंगामा

नई दिल्ली। तमिलनाडु के शंकरपुरम में भारतीय जनता पार्टी की बैठक के दौरान जमकर हंगामा हुआ. इस दौरान नेता एक दूसरे पर कुर्सियां तक फेंकते नजर आए. अब इस अंदरूनी कलह का वीडियो पूरे सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. दरअसल, बैठक के दौरान कल्लाकुरिची जिला बीजेपी प्रमुख ने कथित तौर पर शक्ति केंद्र के सदस्यों के नामों में बदलाव किया था. इसी को लेकर पूरा विवाद खड़ा हुआ. ऋषिवंधियम, शंकरपुरम और कल्लाकुरिची निर्वाचन क्षेत्रों के शक्ति केंद्र पदों पर चर्चा करने के लिए शंकरपुरम में एक बैठक बुलाई गई थी. बैठक के दौरान ही अरूर रवि और वेस्ट यूनियन सचिव रामचंद्रन के समर्थकों के बीच बहस हो गई. बहस इतनी बढ़ गई की दोनों गुटों ने एक दूसरे पर जमकर कुर्सियां फेंकीं.

क्यों हुआ विवाद-दरअसल, बैठक के दौरान कल्लाकुरिची जिला बीजेपी प्रमुख ने कथित तौर पर शक्ति केंद्र के सदस्यों के नामों में कुछ बदलाव किए. इससे अरूर रवि और वेस्ट यूनियन सचिव रामचंद्रन के समर्थकों के बीच बहस हो गई. दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकीं और झड़प हुई. इससे पहले दिल्ली में एमसीडी इलेक्शन के बाद मेयर चुनाव के दौरान भी नेताओं के बीच ऐसी ही झड़प का वीडियो सामने आया था. हालांकि, यह झड़प एक ही पार्टी के बीच न होकर आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच हुई थी. सिविक सेंटर में आम आदमी पार्टी और बीजेपी के पार्षद आमने-सामने आ गए थे. इस दौरान सदन में दोनों पार्टियों के पार्षदों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और मारपीट हुई थी. कुछ पार्षदों के बीच कुर्सी उठाकर भी मारपीट हुई है. बीजेपी और आप ही नहीं, बल्कि हाल ही में कांग्रेस में भी आपसी मतभेदों को लेकर झगड़ा हुआ था. तेलंगाना के गांधी भवन में अनिल कुमार की एनएसयूआई के छात्र नेताओं से बहस हो गई थी. इसी क्रम में एनएसयूआई के छात्र नेताओं ने कांग्रेस सांसद उत्तम कुमार रेड्डी का अपमान करने पर अनिल कुमार पर हमला करने की कोशिश की थी. इस दौरान कांग्रेस बचाओ के नारे भी लगाए गए थे.

सदर विस क्षेत्र के 254 टीबी मरीजों का इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आगे आए सदर विधायक, लिया गोद

25 मरीजों को इम्यूनिटी बूस्टअप के लिए आवश्यक पौष्टिक युक्त खाद्यान्न सामग्री भेंटकर पोषण आहार वितरण अभियान की शुरुआत की, पौष्टिकता की कमी से अब नहीं बढ़ेगा संक्रमण का स्तर, ससमय दवाई और भोजन लें संक्रमित मरीज- मनीष जायसवाल

हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने बीते सितंबर महीने में भाजपा द्वारा अयोजित राष्ट्व्यापी सेवा पखवाड़ा अभियान के दौरान 22 सितंबर 2022 को एक बड़ी और महत्वपूर्ण घोषणा किए थे। जिसमें उन्होंने हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी टीबी मरीजों को गोद लेने का फैसला लिया था। इसके अंतर्गत उन्होंने गोद लिए हुए सभी अक्षम मरीजों को अगले छः महीने तक उनके पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने की बात कही थी। विधायक मनीष जायसवाल ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान से प्रेरित होकर यह घोषणा किए थे। विधायक मनीष जायसवाल ने न सिर्फ़ सदर विधानसभा क्षेत्र के कुल 254 टीबी मरीजों को चिंता की बल्कि उनपर आश्रित परिवारजनों को बड़ी राहत पहुंचाते हुए मरीजों को गोद लिया । साल 2023 के प्रथम सप्ताह में विधायक मनीष जायसवाल ने अपने किए गए घोषणा पर अमल करते हुए इसे धरातल पर उतारने का काम किया है। रविवार को विधायक मनीष जायसवाल ने एचएमसीएच स्थित सिविल सर्जन कार्यालय सभागार परिसर में क्षेत्र में 25 टीबी मरीजों को पोषण आहार किट भेंटकर गोद लिए हुए मरीजों तक उनके इम्यूनिटी बूस्टअप करने के लिए आवश्यक पौष्टिक युक्त खाद्यान्न सामग्री पहुंचाने के अभियान की विधिवत शुरूआत कर दी। विधायक मनीष जायसवाल द्वारा दिए गए पोषण आहार किट के कपड़े के थैले पर स्वच्छ हजारीबाग- समृद्ध हजारीबाग का स्लोगन भी लिखा हुआ है जिसके माध्यम से उन्होंने प्लास्टिक मुक्त हजारिबाग बनाने का भी संदेश दिया। आहार पैकेट्स में प्रति मरीज 1 केजी चना दाल, 1 केजी मसूर दाल, 1 केजी मूंग दाल, 1 केजी सरसो तेल, 1 केजी सोयाबीन और 15 दिन के लिए 15 पाउच हॉर्लिक्स दिया गया है ।

मौके पर सदर विधायक मनीष जायसवाल ने बताया कि टीबी का कई प्रकार का लेवल होता है और पौष्टिकता की कमी की वजह से इसके संक्रमण की संभावना में वृद्धि होती है। ऐसे में बीते 09 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक भारत से टीवी उन्मूलन का आवाहन करते हुए प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की और इसके तहत सामुदायिक जुड़ाव पर विशेष जोर देते हुए देश के सक्षम व्यक्तियों व संगठनों को पोषण और नैदानिक सहायता के लिए रोगियों को गोद लेने का आवाह्न किया। विधायक मनीष जायसवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी के सोच को सलाम किया और उनके आवाह्न पर उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी टीबी मरीजों के इम्यूनिटी बूस्टअप के लिए उन्हें पोषण आहार उपलब्ध कराने की शुरुआत की। उन्होंने संक्रमित मरीजों से भी अपील किया की दवाई का कोर्स पूरा करें और असक्षम मरीज सीधे उनके संपर्क में रहें ताकि उन्हें हरसंभव टीबी से मुक्ति दिलाने में मदद कर सकें। विधायक श्री जायसवाल ने स्थानीय स्वास्थ्य विभाग और विशेषकर टीबी विभाग के प्रति भी आभार जताते हुए कहा की पीएम नरेंद्र मोदी के आवाह्न के बाद जिस सिद्दत से विभागीय लोगों ने मरीजों के हित में इस योजना पर कार्य किया वह अतुलनीय है। उन्होंने यह भी कहा की 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने में हमसभी को सामूहिक रूप से प्रयास करना चाहिए । मौके पर हजारीबाग जिले के सिविल सर्जन डॉ.सरयू प्रसाद सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. राज किशोर जायसवाल और डीआरसीएचओ डॉ.कपिल मुनी प्रसाद ने संयुक्त रूप से विधायक मनीष जायसवाल के इस महत्वपूर्ण और बड़े योगदान के लिए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके प्रति आभार जताया और अन्य जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सक्षम लोगों के लिए उनके इस प्रयास को प्रेरक बताया। सीएस, डीटीओ और डीआरसीएचओ ने टीबी मरीजों को भी कई जरूरी टिप्स दिए । कार्यक्रम में मंच संचालन टीबी विभाग के जिला प्रोग्राम मेनेजर टीपू सुल्तान ने किया। मौके पर विशेषरूप से सीएस ऑफिस के क्लर्क रमन कुमार, टीबी विभाग के एसटीएस दिव्या सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर विवेक कुमार, सदर विधायक मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, इचाक के डाढा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि दयानंद कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

दबोह में पहली बार सजा बाबा खादू श्याम का दरबार, ग्वालियर के कलाकारों ने बांधा शमा

दबोह। दबोह नगर ने 07 जनवरी को पहली बार हारे के सहारे खादू श्याम बाबा का दरबार सजाया गया।कार्यक्रम के प्रारम्भ में दोपहर 01 बजे से नगर की छोटी माता मंदिर से बाबा की निशान यात्रा निकाली गई।जो की छोटी माता मंदिर से शुरू होकर चौक मोहल्ला पहुंची वहां से वापस होते हुए मुख्य बाजार भम्रण कर कार्यक्रम स्थल गल्ला मंडी प्रांगण में समाप्त हुई।निशान यात्रा के दौरान नगर के लोगो ने पुष्प वर्षा की तो वहीं नगर में हिन्दू व मुस्लिम भाइयो ने अलग अलग जगह चाय-जल-पान की व्यवस्था भी श्याम प्रेमियो के लिए की।उसके बाद शाम होते ही मंडी प्रांगण में बाबा के जयकारों और आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।कार्यक्रम में बाहर से आये हुए कलाकारों द्वारा श्री श्याम के भजनों की प्रस्तुतिया दी गई।जिसमे ग्वालियर से आई भावना भदौरिया,ज्योति पाल,श्वश्व टीवी फैम दिव्यांश बालाजी,योगेश जी महाराज ने बाबा श्याम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतिया दी।भजन गायिगा भावना भदौरिया द्वारा गाये गए भजन ÷खादू बाले श्याम तेरा सच्चा दरबार है÷ने श्रोताओ का मन मोह लिया तो वहीं दिव्यांश बालाजी के द्वारा गाये गए भजन ÷ले गया दिल मुरलिया वाला ने श्रोताओं को सर्दी के मौसम में भी ना बैठने को मजबूर कर दिया।वहीं ज्योति पाल के द्वारा गाये गए भजन दे-दे थोड़ा प्यार बाबा तेरा क्या हो जाएगा÷ ने श्रोताओ को काफी रिझाया।वहीं भजन गायक योगेश जी महाराज के द्वारा गाये गए भजन ÷एक बाबा श्याम है दूजे हनुमान है÷ने भक्तो को नाचने पर मजबूर कर दिया।कार्यक्रम के अंत मे ज्योति पाल के द्वारा द्वारा खादू श्याम बाबा की कथा सुनाई गई।कार्यक्रम दौरान बाहर से आये हुए श्याम प्रेमीयो का मंडल के सदस्यों ने बाबा श्याम की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया।।वहीं कार्यक्रम में पहुँचे कथावाचक पँडित पवन शास्त्री जी भी कार्यक्रम की भव्य व्यवस्था को देख गदगद हो उठे और श्री श्याम परिवार मित्र मंडल दबोह की तारीफ कर डाली। कार्यक्रम में श्रोताओ के लिए भंडारे की व्यवस्था के साथ-साथ चाय की व्यवस्था की गई।साथ ही महिलाओ को सुहाग सामग्री भी वितरित की गई।कार्यक्रम में दरबार सेवा राजेन्द्र गौड़ जी,व सुरसाज राजीव म्यूजिकल ग्रुप का था।

9 राज्यों व 2024 के आम चुनावों पुरानी पैंशन आंदोलन बनेगा सरकारों के गले की हड्डी: जनक सिंह रावत

नेशनल ज्वाइंट काउंसलिंग ऑफ एक्शन की दिल्ली में हुई बैठक 100 से अधिक कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि रहे मौजूद

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -आज देश भर के अलग अलग राज्यों काश्मीर से कन्याकुमारी तक के तकरीबन 150 प्रतिनिधियों ने नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्सन के बैनर तले कॉमरेड शिव गोपाल मिश्रा महासचिव ए आई आर एफ की अध्यक्षता में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के कार्यालय में पुरानी पैंशन बहाली को लेकर एक्सन प्लान तैयार कर बैठक आयोजित की गई। जिसमें देशभर के पोस्टल, रेलवे, नर्सिंग, इंजीनियर्स, अध्यापक , इनकम टैक्स, एक्स पैरामिलिट्री व विभिन्न पुरानी पैंशन बहाली के प्रदेश अध्यक्षों व महासचिवों ने हिस्सेदारी निभाई। मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व पुरानी पेंशन बहाली संघ के जनक सिंह रावत द्वारा किया,इस महत्वपूर्ण मीटिंग में पुरानी पैंशन बहाली को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।कहा हिमाचल प्रदेश के हाल ही में हुए

विधानसभा चुनावों में पुरानी पैंशन बहाली एक राजनीतिक मुद्दा बना ओर एक पर्सेंट वोट के अंतर से सत्ता खिसक गई। अब आने वाले चुनावों में सिविलियन कर्मचारी, सभी विभागों व सरहदी पैरामिलिट्री फोर्स परिवार साथ एक निर्णायक भूमिका निभाएंगे। विभिन्न राज्यों के पुरानी पैंशन बहाली के लिए 2023 का रोड मैप तैयार कर लिया गया है। एवं बैठक में रावत ने बताया कि मध्यप्रदेश में पेंशन नहीं तो वोट नहीं मुहिम चल रही है इसको पूरे देश के सभी कर्मचारी संगठन एक साथ मिलकर चलाना है और जो पेंशन की बात करेगा कर्मचारी और उसका परिवार उसी को वोट देगा ऐसा संकल्प लें आज हुई बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों के मान्यता प्राप्त संगठन एवं राज्यों के 100 से अधिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे जिसमें राजस्थान महाराष्ट्र मध्य प्रदेश दिल्ली हरियाणा पंजाब जम्मू कश्मीर उत्तराखंड कर्नाटक हिमाचल प्रदेश तमिलनाडु झारखंड एवं रेलवे की मान्यता प्राप्त संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पिछोर परसुराम मंदिर पर सर्व क्षेत्रीय ब्राह्मण समाज का मिलन समारोह आयोजित

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर शनिवार पिछोर के स्थानीय भगवान परशुराम मंदिर पर सर्व क्षेत्रीय ब्राह्मण समाज मिलन समारोह का आयोजन किया गया आयोजन में भगवान परशुराम की पूजा अर्चना के बाद संगीत मय सुंदरकांड पाठ का आयोजन इंद्रजीत पाठक एवं उनकी मंडली द्वारा किया गया इसके बाद सर्व ब्राह्मण समाज मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पधारे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ राघवेंद्र शर्मा द्वारा भगवान परशुराम एवं हनुमान जी महाराज के पूजन अर्चन के उपरांत परशुराम मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष राम किशोर तिवारी द्वारा मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण कर शाल श्रीफल द्वारा सम्मान किया गया कार्यक्रम मैं उद्बोधन के क्रम को बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि के रूप में मंचासीन डॉ राघवेंद्र शर्मा ने बड़ी संख्या में उपस्थित ब्राह्मण बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज अलग-अलग रहेगा तो संपूर्णता नहीं हो पाएगी दुनिया में वही समाज वही व्यक्ति वही व्यवस्था आगे बढ़ती है जिसमें संवेदना का भाव हो वास्तव में ईश्वर ने भगवान परशुराम में हमें इन्हीं विचारों के साथ पर पूर्ण करके भेजा है जितना हम इस भाव को हम आगे बढ़ा लेंगे उतना जितना विस्तार कर लेंगे वास्तव में हमेशा मानेंगे कि भगवान परशुराम संदेश के आदर्शों के निकट पहुंच रहे हैं डॉ शर्मा ने पिछोर ब्राह्मण समाज द्वारा मंदिर निर्माण में किए गए कार्यों और प्रयासों को सराहा तथा पुनीत कार्य में सहयोग की बात कही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही शिवपुरी से पत्रकार मणिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मंदिर के लिए मैं मंदिर जैसे कार्यों के लिए समर्पित हूं आज के समय में ब्राह्मणों का एकजुट रहना ही विकल्प है इस मौके पर पिछोर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष विकास पाठक एवं संजय पाराशर ने भी मंदिर और ब्राह्मण समाज को लेकर एकजुट रहने का संदेश दिया तथा सामाजिक रूप से हर सहयोग करने का आश्वासन दिया इसी क्रम में वृंदावन शास्त्री रामदास शास्त्री कथा कौशल किशोर शर्मा किसान मोर्चा जिला महामंत्री रमेश शर्मा ने भी समाज और मंदिर को लेकर अपने अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम के अंत में युवा नेता देवेंद्र तिवारी ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत किया वही परशुराम सेवा समिति के अध्यक्ष रामकिशोर तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन पवन पाठक द्वारा किया गया कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य रूप से देवेंद्र तिवारी , आशीष भार्गव , विजय पण्डेय , कपिल मिश्रा , कृषणम दुवेदी ओर उनकी टीम का योगदान रहा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पिछोर समेत आसपास से आए हुए ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे अंत में सह भोज का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

श्री श्री 1008 धाय महादेव के महंत श्री शंकर पुरी महाराज सोडसी भंडारा उपलक्ष में

धार महादेव मंदिर के महंत पुरी महाराज जी को नव नियुक्ति किया

राकेश परिहार रिपोर्टर
पिछोर

पिछोर, अनुविभागीय अंतर्गत ग्राम गणेश खेड़ा में श्री धाय महा देव सरकार मंदिर पर लाखों क्षेत्रवासियों के समक्ष धाय महादेव मंदिर प्रांगण में आज परम पूज्य महंत श्री आनंदपुरी महाराज जी को नव नियुक्ति महंत घोषित किया गया आज श्री श्री 1008 श्री धाय महादेव जी महंत श्री शंकर पुरी महाराज जी की सोडसी के उपलक्ष में समस्त क्षेत्रवासियों की चूल सहित न्योता किया गया था इसी क्रम में आनंदपुरी महाराज को धार महोदय सरकार के वरिष्ठ महंत घोषित किए गए आज भंडारी के दिन पिछोर क्षेत्र के लाखों भक्त वहां पर पहुंचे और भोजन प्रसादी की।

भाजपा की वर्चुअल माध्यम से संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मिशन 2023 विधानसभा चुनाव को दृष्टिकोण रखते हुए भाजपा प्रदेश सह प्रभारी रामशंकर कठेरिया एवं

जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने मंडल प्रभारियों को निर्देशित कर 1480 मतदान केंद्रों पर संगठनात्मक कार्यक्रमों को गति देने के लिए बूथ स्तर पर बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया

चंबल संभाग प्रभारी हरिशंकर खटीक के निर्देशानुसार भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने भिंड जिले के 14 80 मतदान केंद्रों पर संगठनात्मक ताकत को माइक्रो पर प्रबंधन की मजबूती के लिए वर्चुअल बैठक आयोजित कर पार्टी के जिला एवं मंडल विधानसभा प्रभारियों को निर्देशित करते हुए 10 बिंदुओं के आधार पर तत्काल काम करने के लिए आग्रह किया ताकि चुनाव में हम सब अपने बूथ को मजबूती देते हुए भाजपा को जिताने का कार्य करें।

भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से पार्टी के जिला एवं मंडल विधानसभा के प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि 10 जनवरी तक जो प्रदेश नेतृत्व ने हमें संगठनात्मक कार्यक्रम दिए हैं उनको समय सीमा में पूर्ण करते हुए कार्य करें जिसमें मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं कटाने के लिए अपने बीएलओ के साथ संपर्क कर अपनी विचारधारा के लोगों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी अंचल के नगर एवं शक्ति केंद्र की मजबूती के लिए सर्व समाज के लोगों का समावेश हो इसके लिए हम पोलिंग केंद्र पर बनी हुई निगम लिख ले स्थानीय समिति में शामिल करें। उन्होंने कहा कि कि मतदान केंद्रों की बैठक कुल लेने वाले कार्यकर्ताओं की सूची को तैयार किया जाए उन्होंने कहा कि आज का वर्तमान समय सोशल मीडिया पर केंद्रित है हम प्रत्येक पोलिंग बूथ पर 2-2 सोशल मीडिया पर काम करने वाले निष्ठावान और विचार भाव के साथ ऐसे कार्यकर्ताओं की सूची भी तैयार की जाए जो कि यह सोशल मीडिया पर सत्ता और संगठन की विचारधारा के साथ काम कर सके ऐसे लोगों की सूची तैयार करें।

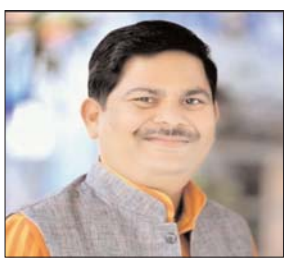

भाजपा अध्यक्ष श्री नरवरिया ने कहा कि हम सब व्यक्ति नहीं विचार भाव से काम करने वाले कार्य करता है जिस कार्य पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है वह अपनी पूरी ताकत के साथ पराकाष्ठा ईमानदारी नगर सिलता कर्तव्य निष्ठा के साथ पोलिंग बूथों की कार्य योजना को मजबूत करने के लिए अपने दायित्व का निर्वाह करते कार में एकजुट और एकमत के साथ जुट जाएं हम सब अब चुनाव को दृष्टिकोण रखते हुए पोलिंग बूथ पर माइक्रो प्रबंधन के साथ की मजबूती प्रदान करें ताकि भाजपा की जीत को सुनामी में बदल सके और हवा मतदान केंद्रों पर पहुंचे इसके लिए कार्यकर्ता विचार भाव से काम करें। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नरवरिया के साथ वर्चुअल बैठक में जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा, सत्येंद्र सिंह भदौरिया,राघवेंद्र सिंह भदोरिया, नेहाल सिंह राणा, सिंह तोमर, रंजीत सिंह कुशवाह, जिला महामंत्री ओं में धीर सिंह भदौरिया, धर्म सिंह भार्गव, कमल शर्मा, जिला मंत्रियों में उपेंद्र राजोरिया, श्रीमती रजनी खटीक, अवनीश उपाध्याय, राजकुमार जैन, जिला कार्यालय प्रभारी आरबी सिंह बघेल एडवोकेट, कोषाध्यक्ष मनोज शास्त्री ऑनलाइन जुड़े रहे।

नन्ना जी की पुण्य स्मृति में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन उमड़े भक्त

आप श्रेष्ठ संतान चाहते हैं तो गर्भ विज्ञान को समझना होगा- नित्यानंद गिरी जी

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर संसार का सर्वोत्तम शिक्षालय है गर्भावस्था, गर्भावस्था में 9 माह ठमें बालक जो सीखता है वह 90 साल में अर्थात पूरे जीवन में भी नहीं सीख पाता गर्भ में जब बालक होता है तब मां की जो विचार है थिंकिंग है आहार-विहार है उसकी आदत है हैबिट से वह सब बच्चा सीख लेता है इसलिए उस समय हमारी माताओं को बहन बेटियों को बढ़ा सावधान रहना चाहिए जैसा भाव होगा जैसा खानपान होगा जैसी सगति होगी बालक सब को ग्रहण करता है गर्भावस्था में बच्चों की बड़ी ग्रहण क्षमता होती है एक लर्निंग एटीट्यूट होता है सीखने की क्षमता होती इसलिए उस समय हमें बड़ा सावधान रहना चाहिए जो उनकी सास है या उसकी मां है उस बेटी उसका कर्तव्य बनता है कि वह उन्हें शिक्षा दें हमारे देश में जितने भी महापुरुष हुए हैं ध्रुव प्रहलाद अमरीश शंकराचार्य नानक सूर कबीर जितने भी महापुरुष हुए हैं वह सब गर्भ में ही महान बन गए श्रेष्ठ बन गए इसलिए अगर आप श्रेष्ठ संतान चाहते हैं तो गर्भ विज्ञान को समझना पड़ेगा सीखना पड़ेगा उक्त प्रवचन स्थानीय टेकरी सरकार हनुमान मंदिर पर 5 जनवरी से प्रारंभ श्रीमद् भागवत कथा के दुर्लभ प्रवचन मैं ऋषिकेश से पधारे स्वामी सदाशिव नित्यानंद गिरी महाराज द्वारा पिछोर के दिवंगत भाजपा नेता एवं पूर्व राजस्व मंत्री लक्ष्मीनारायण गुप्त और सुनना जी के प्रथम पुण्य स्मृति में आयोजित कथा के दौरान कही उन्होंने अपने प्रवचनों के दौरान कथा को बढ़ाते हुए भक्तों से कहा कि आज कोई देशभक्त कोई शूरवीर कोई महापुरुष कोई सती कन्या का जन्म नहीं हो रहा कोई श्रेष्ठ भी नहीं आ रहे क्योंकि जो मां बनने वाली हमारी बेटियां हैं जो पिता बनने बनने वाले हमारे पुत्र हैं वह संस्कार हीन हो रहे हैं गर्भाधान संस्कार के समय हमें विचार करना चाहिए कि हम कैसी संतान चाहते क्या हमारा उस समय क्या संकल्प है क्या विचार हैं वह सब बालक ग्रहण करता है इस विज्ञान को पहले के हमारे पूर्वज समझते थे इसलिए हमारे समय में या हमसे पहले की पीढ़ियों में बड़े अच्छे महापुरुष होते थे लेकिन आज यह समझ समाप्त हो रही है और लोग बाहरी दिखावे को भोग विषयों को महत्व देते हैं संयम करने के बाद माता पिता के जो संतान में गर्व में आती है वह बड़ी श्रेष्ठ होती है महान होती है और जो भोगी है विषयी है नित्य विषय सेवन करते हैं उनकी संतान बहुत कमजोर होती है संस्कार हीन होती है इसलिए माता-पिता को संयमित होना चाहिए जो माता पिता बनने वाले हैं उनकी बड़ी जिम्मेदारी है वह

ऐसे ही माता-पिता नहीं बन जाते एक बहुत बड़ा एक कर्तव्य जीवन का निभाते हैं हम भावी पीढ़ी कैसे बनाना चाहते हैं कैसे लाना चाहते हैं इस पर विचार करना पड़ेगा श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन स्वामी सदाशिव नित्यानंद जी महाराज कह रहे थे कि ध्रुव मां के पेट में ही महान बन गए बच्चों को देने का संस्कार डालना चाहिए उनसे दान करवाए उनसे सेवा करवाई उनसे आरती पूजा करवाए और उनके सामने स्वयं भी करें आप तो बच्चों में श्री ध्रुव जी ने अपनी मां के गोद में ही पूजा करना पाठ करना आरती करना यह सब धार्मिक संस्कार सीखें मां जैसा करती है पिता जैसा करता है बालक वह सब सीख लेता है इसलिए बच्चों के सामने अपना आचरण बड़ा पवित्र रखना चाहिए उस समय संयम रखना चाहिए उस समय हमें अपनी विषयों का बुरीआदत का त्याग करना चाहिए त्याग से ही हम कुछ शिक्षा दे सकते हैं श्री ध्रुव जी जब 5 वर्ष के थे तब वह अपने पिता के पास गए लेकिन उनकी सौतेली मां ने उनका अपमान कर दिया इसी से दुखी होकर वह भगवान का भजन करने लगते हैं और नारद जी की प्रेरणा से मधुबन में जाकर भगवान की भक्ति करते हैं 6 महीने की कठिन यात्रा से भगवान प्रसन्न हो जाते हैं और उनको दर्शन देते हैं राज्य प्रदान करते हैं अपनी भक्ति प्रदान करते हैं इतना ही नहीं उनको सदा के लिए अमरता प्रदान करते आज ध्रुव जी अमर है सारा धार्मिक जगत उनका आदर करता है यह मां के संस्कार है इसलिए इनसे शिक्षा लेनी चाहिए स्वामी जी ने आगे बताया कि ध्रुव का वंश बड़ा सुंदर है इसी वंश में महाराज पृथु हुए जिन्होंने भगवान से हजारों गुना श्रवण शक्ति मांगी ताकि सत्संग सुनते रहे और सुनते सुनते कभी तृप्त ना हो ऐसा भगवान से मांगा और सत्संग मांगा तो उन्हें सत्संग कराने के लिए शंनकादी ऋषि का आगमन हुआ और उन्होंने उन्हें सत्संग श्रवण कराया इन्हीं पृथू के वंस में महाराज अंग हुए हैं और इसके बाद राजा बैन हुए जो कुसंग से गलत रास्ते पर जाने के कारण अभिमान के कारण उनका पतन हुआ और इसी वंश में बड़े-बड़े महापुरुष हुए जिन्होंने भगवत भक्ति गण भक्ति देशभक्ति से संसार का बड़ा हित किया है हमें इन सब से शिक्षा लेकर ऐसे ही बनने का प्रयास करना चाहिए आज जो गौ माता की हालत है वह बड़ी दयनीय है उसको हमने घर से छोड़ दिया है निकाल दिया है वह सड़क पर कूड़ा करकट खाकर एक्सीडेंट का शिकार हो रही है इसलिए हमें इससे शिक्षा लेकर यह सब रोकने की आवश्यकता है कथा यजमान बने परिजनों के अनुसार लक्ष्मी नारायण गुप्ता नन्ना जी को उनकी स्मृति पर भागवत कथा से अच्छी कोई श्रद्धांजलि नहीं है अतः उक्त कथा कराई जा रही है इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डांस करने बाला चोर को पुलिस की गिरफ्त में

315 बोर के साथ किया गिरफ्तार चोरी का लैप्टॉप भी किया बरामद

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश सिंह चंदेल द्वारा चोरी नकबजनी के आरोपीगणो व मशरूका को शीघ्र बरामद करने हेतु आदेशित किया गया था, उक्त आदेश के पालन मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एस.डी.ओ.पी पिछोर दीपक तोमर के मार्गदर्शन में दिनांक 08.01.2023 को निरी. तिमेश छारी थाना प्रभारी खनियाधाना को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना खनियाधाना के अपराध क्रमांक 06/2023 धारा 457,380 ताहि. का आरोपी निवासी खनियाधाना का गूढ़र तरफ घूम रहा है। उक्त सूचना पर से निरी. तिमेश छारी ने टीम गठित कर मुखविर द्वारा बताये स्थान पर भेजा तो आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेरकर पकड़ा व तलाश ली गई तो उसके पास से एक 315 का कट्टा लोडेड हालात मे मिला खोलकर देखा तो एक जिन्दा राउण्ड मिला, आरोपी का यह कृत्य धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का पाया जाने से विधिवत गिरफ्तार किया गया व अप. क्रमांक 06/2023 मे मशरूका के वारे मे पूछताछ की गई तो आरोपी के द्वारा एक एच पी कम्पनी का लैप्टॉप व लैप्टॉप रखने का लैदर का बैग व एक माउस घर से बरामद कराया गया, उक्त आरोपी के द्वारा दिनांक 03.01.2023 को डांस करते हुये चोरी की घटना कारित की गई थी, आरोपी के विरूध्द असल अपराध क्र. 15/2022 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का कायम कर माननीय न्यायालय मे पेश किया गया । उक्त कार्यवाही मे निरी. तिमेश कुमार छारी मय उनि केपी शर्मा , सउनि जगदीश पारासर, आर. 671 रवि वाथम, आर. 621 बनवारी भिलाला, आर. 363 जयवीर गुर्जर, आर. 1046 बलराम अहिरवार,आर. आर. 408 धर्मेन्द्र, आर. चा. 858 सत्यवीर गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

डकैती की योजना को किया नाकाम, योजना बनाते हुये 5 लोगों को मय हथियारों के किया गिरफ्तार

पूर्व सरपंच के घर डकैती डालने की कर रहे थे प्लानिंग

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- पुलिस की बड़ी कार्यवाही डकैती की प्लानिंग को किया नाकाम, पुलिस थाना गोवर्धन द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुये 5 हथियारबंद लोगों को ग्राम ठेवला के जंगल मे डकैती की योजना बनाते हुये किया गिरफ्तार । थाना प्रभारी गोवर्धन रघुवीर सिंह धाकड़ को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की ग्राम ठेवला के जंगल मे हरिशंकर के खेत पर बने कुऐ पर कुछ लोग हथियारों के साथ बैठे हैं और डकैती की प्लानिंग कर रहे हैं । उक्त सूचना पर से थाना प्रभारी गोवर्धन द्वारा सूचना से बरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन, अति. भूरिया एवं एसडीओपी पोहरी श्री एस एस

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार मुमताज के मार्गदर्शन मे पुलिस टीम बनाकर मुखबिर के बताये स्थान पर रबाना हुये, मुखबिर के बाताये स्थान पर जाकर देखा तो हरिशंकर के खेत पर बने कुए के पास 05 लोग मिले जिनके पास के एक टोपीतार बंदूक मय बारूद व छर्रे, लोहे की शब्बल, दो लोहे की कुल्हाड़ी, एक लोहे का सरिया मिला । पुलिस द्वारा उक्त लोगों से पूछताछ की तो बताया कि ग्राम ठेवला के पूर्व सरपंच के यहां डकैती की योजना बना रहे थे जिन्हें पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर कार्यवाही की । इस कर्यवाही मे थाना प्रभारी गोवर्धन उनि. रघुवीर सिंह धाकड़, सउनि जण्डेल सिंह, प्रआर. 729 वीरेन्द्र सिंह, आर. देवीलाल जाट, श्याम शर्मा, विजय शर्मा, अजय रावत, हुकुम रावत की सराहनीय भूमिका रही ।

बिग ब्रेकिंग इलेक्ट्रॉनिक खंबा के पास काम कर रहे युवक को लगा करंट युवक हुआ घायल

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग -गरियाबंद जिला के देवभोग ब्लॉक अंतर्गत देवभोग समुदायिक हॉस्पिटल के आगे लगे इलेक्ट्रॉनिक खंबा के सामने काम करते के दौरान हुई हादसा बिजली की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घटना के वक्त थाना क्षेत्र समुदायिक हॉस्पिटल के सामने घटी । युवक सड़क किनारे लगी खंबे के बगल में काम कर रहा था इसी दौरान खंभे के तार सेट होने पर युवक करंट की चपेट में आने से घायल होकर नीचे गिर पड़ा स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए देवभोग समुदायिक हॉस्पिटल मैं इलाज कराया जा रहा है। को करंट लगने पर युवक पूरी तरह घायल हो गया जिसकी उपचार समुदायिक हॉस्पिटल देवभोग मैं किया जा रहा है। घायल युवक चल रहे नेशनल हाईवे की चौड़ी करण में करता है।

दमोह के पूर्व पुलिस अधीक्षक हेमंत चौहान को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इस उच्चतम सम्मान के लिए प्रदेश वासियों कि ओर से शुभकामनायें प्रेषित कि गयी।

शहर विकास के लिये महापौर डॉ. सिकरवार की अध्यक्षता में सलाहकार समिति की पहली बैठक आयोजित

ग्वालियर। ग्वालियर नगर के विकास एवं नगर की भविष्य की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए दूरगामी नियोजन एवं नगर के विभिन्न क्षेत्रों की आधारभूत समस्याओं अथवा शिकायतों के निराकरण हेतु जन सहभागिता सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से महापौर डॉ. शोभा

सतीश सिकरवार द्वारा गठित नगर निगम अशासकीय सलाहकार समिति की पहली बैठक बाल भवनके टीएलसी कक्ष में उनकी अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें गठित समिति के सदस्यों से शहर विकास के लिये अपने-अपने सुझाव दिये। गठित समिति में पूर्व आई.ए.एस. बीएम शर्मा ने सुझाव देते हुए शहर की सडकों को लेकर कहा कि जितनी सडकें बनाई जाती हैं अगले दिन किसी न किसी कार्य को लेकर उस सडक को खोद दिया जाता है। सडकों का डिजायन इस प्रकार बनायें कि उन पर जल भराव न हो। सीमेंट कंक्रीट की सडकों पर ज्यादा फोकस रहे। साथ ही कहा कि दो चरणों में बैठक आयोजित की जाए, प्राथमिकता के आधार पर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पहले बैठक हो इसके बाद शहर विकास की योजनाओं को लेकर बैठक आयोजित की जाए। पूर्व आईएएस विनोद शर्मा ने कहा कि इस समिति में सभी तरह के लोगों को शामिल किया गया है। इसलिये सभी अपने-अपने अनुभव के आधार पर शहर का कैसे विकास कर सकते हैं इसके लिये सभी सुझाव लिखित में भी दें। जिससे उन पर अमल हो सके। साथ ही गंदगी, सडकें खोदने, पानी या पेड काटने वालों पर जुर्माना न करते हुए कोर्ट का चालान बनायें। साथ ही सभी घरों पर जीपीएस सिस्टम अपनायें जिससे ज्यादा से ज्यादा सम्पत्तिकर जमा हो सके और शहर में विकास कार्य आसानी से हो सके। पूर्व आईएएस आरके जैन ने सुझाव देते हुए कहा कि जो भी विकास कार्य किये जा रहे हैं उनकी समय सीमा निर्धारित हो, शहर बड रहा है उसके लियें रिंग रोडें बनाई जाएं जिससे ट्रैफिक को कंट्रोल किया जा सके। इसके साथ ही शहर में सुनियोजित पार्किंग की व्यवस्था की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। पूर्व आईएएस अखलेन्दू अरजरिया ने सुझाव देते हुए कहा कि बाजारों में पार्किंग की बहुत बडी समस्या है, कॉलोनियों में भी पार्किंग की व्यवस्था होना चाहिए, घरों के बाहर वाहन न खडे रहें। इसके साथ ही कोई भी विकास कार्य करते हैं तो उसकी लोंग बुक होना चाहिए जिससे पता रहे क्या कार्य होना है और कब तक होना है और क्या कार्य किया जा रहा है। पुरातत्व विभाग के प्रो. आर.ए शर्मा ने सुझाव दिया कि हर मौहल्ले, कॉलोनियों में बोर्ड लगायें उस पर उस क्षेत्र के संबंधित अधिकारी का नाम दर्ज हो और वह क्या कार्य करता है वह भी अंकित हो जिससे क्षेत्र की जनता को किसी भी कार्य के लिये परेशानी नहीं उठानी पडेगी। वन सरंक्षक आईएफएस ओपी उचाडिया ने अधिक से अधिक वृक्षा रोपण किये जाने के लिये सुझाव दिया साथ ही कहा कि बर्सात से पहले वृक्षा रोपण की प्रोपर प्लानिंग हो। पूर्व संयुक्त संचालक कोषालय श्री दिनेश बाथम ने कहा कि शहर में जहां भी नई-नई कॉलोनियां बनाई जा रही हैं वहा फोर लेन सडकों का निर्माण होना चाहिए। जिससे भविष्य में ट्रेफिक समस्या न रहे। पूर्व मुख्य अभियंता आरएल भारतीय ने सुझाव देते हुए कहा कि शहर में पहले एक सेम्पल रोड बनाये जहां हर तरफ हरियाली हो सभी व्यवस्थायें व्यवस्थित हो, उसी रोड को दिखाकर शहर में अन्य रोडों को बनायें। रिटा. कार्यपालन यंत्री मोहर सिंह जादौन ने सुझाव देते हुए कहा कि सडक बनाने से पहले नालियों का डिजाइन बनायें अगर नाली का डिजायन नहीं बनायेंगें तो सडकों पर ही पानी भरा रहेगा जिससे कम समय में ही सडक खराब हो जाती है। सडक की लाइफ बनाने के लिये नाली जरूर बनायें।

ग्वालियर में खेलों का सुनहरा इतिहास है: श्री सिंधिया

ग्वालियर। ग्वालियर का खेल के क्षेत्र में सुनहरा इतिहास है। हॉकी सहित अन्य खेलों में ग्वालियर के अंतर्राष्ट्रीय सतर के खिलाड़ियों की बड़ी श्रृंखला है। साथ ही यहां पर कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम, हॉकी स्टेडियम, कम्पू खेल परिसर व एलएनआईपीई जैसी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना मौजूद है। इस अधोसंरचना और वर्तमान खिलाड़ियों के ज'बे के संगम से विश्व पटल पर ग्वालियर का नाम ऊँचा होगा। यह बात केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री 'योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर कही। श्री सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में रूपसिंह स्टेडियम में ग्वालियर खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। श्री सिंधिया ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर बधाई व शुभकामनायें दीं। साथ ही कहा कि खेल भावना जीवन के हर मोड़ पर मदद करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की। इस अवसर पर लोक निर्माण रा'य मंत्री श्री सुरेश धाकड़, बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल एवं जिला पंचायत के सीईओ श्री आशीष तिवारी मंचासीन थे। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि सभी के जीवन में खेल का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इससे शारीरिक मजबूती के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का खेलों के विकास पर विशेष ध्यान है। उन्होंने

उदयीमान खिलाड़ियों को ओलम्पिक मैडल के लिये तैयार करने के लिये अ'छी अधोसंरचना मुहैया कराई है। आरंभ में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं अन्य अतिथियों ने रूपसिंह स्टेडियम में कतारबद्ध खड़े विभिन्न खेल विधाओं की टीमों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद दीप प्रज्वलन कर और आसमान में रंगीन गुब्बारे छोड़कर ग्वालियर खेल महोत्सव के शुभारंभ की घोषणा की। जिला परियोजना समन्वयक श्री तोमर ने ग्वालियर खेल महोत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि रा'य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागो के सहयोग से आयोजित हो रहे ग्वालियर खेल महोत्सव में टेनिस बॉल क्रिकेट, बॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो व कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। सभी खेल प्रतियोगिताओं को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिये विभिन्न विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विभिन्न खेल विधाओं में 76 टीमें और कुश्ती में 100 महिला-पुरूष पहलवान ले रहे हैं हिस्सा-जिला शिक्षा केन्द्र के माध्यम से खेल महोत्सव के तहत आयोजित हो रही क्रिकेट प्रतियोगिता रूपसिंह स्टेडियम पर खेली जा रही है, जिसमें 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसी तरह खेल एवं युवा कल्याण विभाग के नेतृत्व में कम्पू खेल परिसर में आयोजित हो रही बॉलीबॉल प्रतियोगिता में 10 पुरूष व 10 महिला टीमें हिस्सा ले रही हैं। कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एमएलबी कॉलेज में किया जा रहा है, जिसमें पुरूष व महिलाओं की 10 ङ्क 10 टीमें सहभागिता कर रही हैं। जिला पंचायत के नेतृत्व में जीवाजी विश्वविद्यालय के खेल परिसर में खो-खो प्रतियोगिता आयोजित हो रही है, जिसमें बालक व बालिकाओं की 10 ङ्क 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन नगर निगम द्वारा एकलव्य खेल परिसर में किया जा रहा है, जिसमें 25 महिला व 75 पुरूष पहलवान अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने की कलात्मक बल्लेबाजी- केन्द्रीय मंत्री श्री 'योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर खेल महोत्सव में कलात्मक व आक्रामक बल्लेबाजी कर टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। श्री सिंधिया ने नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर की गेंदबाजी पर खूब आक्रामक शॉट लगाए।

सम्पादकीय

अतिक्रमण और पुनर्वास

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठंड के मौसम में बेघर होने की आशंकाओं से घिरे हजारों लोगों को राहत दी है। निस्संदेह यह राहत अंतिम नहीं है, लेकिन इस फैसले को मानवीय दृष्टि से संवेदनशील पहल कहा जाना चाहिए। लेकिन इस दौरान शीर्ष अदालत की टिप्पणियां सत्ताधीशों व स्थानीय प्रशासनों के लिये सख्त संदेश भी है कि यह अतिक्रमण कुछ ही दिनों व सालों की बात नहीं। सालों-साल चले इस अतिक्रमण को रोकने के लिये जवाबदेह लोग दशकों क्यों सोते रहे? यह भी कि दशकों के अतिक्रमण को रातों-रात तो बिल्कुल नहीं हटाया जा सकता। निस्संदेह, करीब पचास हजार लोगों को आनन-फानन में नहीं हटाया जाना चाहिए। यहां तमाम स्थायी आवासों के साथ ही कई सरकारी स्कूल, बैंक, विभाग, मंदिर-मस्जिद आदि बने हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात सुप्रीम कोर्ट ने यह कही कि हजारों लोगों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था होनी चाहिए। शीर्ष अदालत इस बाबत सात फरवरी को रेलवे व सरकार का पक्ष सुनेगी। बाकायदा उत्तराखंड सरकार को अपना पक्ष रखने के लिये नोटिस भेजा गया है। विडंबना यह है कि ऐसे अतिक्रमण की स्थिति पूरे देश में बनी हुई है। अपनी जड़ों से उखड़े, रोजगार की तलाश में शहरों की तरफ आए लोग तथा भू-माफियाओं की साजिश के चलते बेचे गये भूखंडों के खरीददार इन अतिक्रमणों के केंद्र में रहते हैं। दरअसल वोटों की राजनीति, स्थानीय प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा तंत्र की काहिली इन अवैध बस्तियों को पनपने का मौका देती है। लेकिन जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है और सरकार या कोर्ट की तरफ से मामला उजागर होता है तो स्थानीय प्रशासन बसे लोगों को हटाने की तुरत-फुरत कार्रवाई में जुट जाता है। निस्संदेह, ऐसी किसी कार्रवाई में मानवीय पक्ष को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। कह सकते हैं कि यह सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण होता है, लेकिन इन आशियानों को बनाने में भी गरीब तबके के लोगों की जीवनभर की पूंजी लगी होती है। दरअसल, राष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या को संबोधित करने की जरूरत है कि क्यों सरकार की खाली पड़ी जमीनों की बंदरबांट होती है। इस समस्या का समाधान शुरूआत में ही क्यों नहीं तलाशा जाता। सवाल यह भी कि हल्द्वानी में बनभूलपुरा की जिस 29 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण की बात की जा रही है उसे रेलवे भूला हुआ क्यों था? ऐसा तो नहीं था कि स्थायी संरचनाएं रातों-रात बन गई थीं। दरअसल, इस अतिक्रमण पर रेलवे की नजर तब पड़ी जब इस क्षेत्र से लगती नदी में रेत के अवैध खनन के तार इस इलाके की बस्तियों से जुड़े। मामला 2013 में उठा था और फिर दस साल बाद सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना। दरअसल, यह अतिक्रमण की गुत्थी गहरे तक उलझी हुई है। कुछ लोगों का दावा है कि वे गृहकर व जल-कर भर रहे हैं तो स्थानीय निकायों ने कैसे इस अतिक्रमण करके बने मकानों को मान्यता दी? कुछ लोग जमीन के दस्तावेजों के कानूनन वैध होने के दावे कर रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि देश के विभाजन उपरांत कुछ लोगों के चले जाने के बाद खाली पड़े घरों की नीलामी में उन्होंने इन्हें खरीदा था। बहरहाल, हाड़ कंपाती सर्दी में हजारों लोगों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से फौरी राहत तो मिली है, लेकिन यह समस्या का अंतिम समाधान नहीं। इसके निस्तारण में लंबा वक्त लगेगा। ऐसे मामलों के समाधान में ध्यान रखना जरूरी है कि किसी भी कदम से देश में अवैध अतिक्रमण की प्रवृत्ति को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह रेलवे के लिये सबक है कि वह अपनी भूमि की नियमित देखभाल करता रहे ताकि फिर ऐसी नौबत न आये। साथ ही सरकार को निजी निवेश के साथ गरीबों व बेघरों के लिये सस्ते आवास के विकल्प पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि उसके लोककल्याणकारी दायित्वों का ठीक ढंग से निर्वहन हो सके।

हल्द्वानी: घर से बेघर पर रोक

● अधिकारों के प्रति सम्पूर्ण संविधान पूरी संवेदना के साथ वे शक्तियां प्रदान करता है जिससे प्रत्येक नागरिक अपने जीवन जीने के अधिकार का प्रयोग करते हुए अपने व्यवसाय व निवास स्थल का चयन भी कानून सम्मत तरीके से कर सके। नागरिकों का स्वतन्त्र भारत में सम्पत्ति का मौलिक अधिकार भी दिया गया ।

आदित्य नारायण

भारत का संविधान मानवीय मूल्यों पर आधारित दुनिया का ऐसा जीवन्त दस्तावेज है जिसमें नागरिकों को केन्द्र में रखकर राष्ट्र की परिकल्पना की गई है। इनके अधिकारों के प्रति सम्पूर्ण संविधान पूरी संवेदना के साथ वे शक्तियां प्रदान करता है जिससे प्रत्येक नागरिक अपने जीवन जीने के अधिकार का प्रयोग करते हुए अपने व्यवसाय व निवास स्थल का चयन भी कानून सम्मत तरीके से कर सके। नागरिकों का स्वतन्त्र भारत में सम्पत्ति का मौलिक अधिकार भी दिया गया जिसे बाद में 1978 में संवैधानिक अधिकार में बदल दिया गया। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी मनपसन्द जगह पर बसने का अधिकार भी देता है मगर शर्त यह है कि इसका तरीका पूर्ण रुपेण वैधानिक हो। भारत का इसीलिए कोई मजहब नहीं है क्योंकि इस राष्ट्र की पूरी परिकल्पना ही मानवीय रिश्तों के उन समीकरणों पर की गई है जिसमें मनुष्यता का भाव सर्वोपरि है। अतः संविधान ने सभी धर्मों, वर्गों, सम्प्रदायों, स्त्री-पुरुषों व भाषा-भाषी लोगों को एकसमान मानते हुए उन्हें बराबर के अधिकार दिये और तय किया कि राज सत्ता के समक्ष मानवीय पक्ष ही नागरिकों को न्याय देने का मूल मन्त्र होगा। उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर की रेलवे ी पर बसाये बैठे हैं उनका कसूर क्या है? सवाल यह है क्या इन्होंने बाजाब्ता हुकूमत के साये में इस जमीन पर जबरन कब्जा किया या फिर हुकूमत ने ही इन्हें इस जमीन पर बसने की इजाजत दी?

कथित भू-सम्पत्ति पर बसे हुए लोगों को बेघर करने के नैनीताल उच्च न्यायालय के फैसले पर स्थगन आदेश जारी करते हुए देश के सर्वोच्च न्यायालय ने जो फैसला दिया है वह भारत के संविधान के मानवीय पक्ष की ही पैरवी करता है और कहता है कि वर्षों से कहीं बसे हुए लोगों को एक झटके में उजाड़ना न्याय की किसी भी परिभाषा से मेल नहीं खाता है। यहां असली सवाल यह है कि जो लोग पिछले 60 वर्षों से अधिक समय से अपना आशियाना इस विवादित जमीन अगर हुकूमत की बिना मर्जी के ये पचास हजार से ज्यादा लोग इस जमीन पर अपने चार हजार से अधिक पक्के मकान बनाकर रह रहे होते तो उन्हें खुद हुकूमत ही बिजली, पानी से लेकर दूसरी जरूरी सुविधाएं क्यों मुहैया करा रही होती। जाहिर है कि हुकूमत इन लोगों को इस जमीन के मालिकाना हकों से लैस मानती थी तभी तो उसने सरकारी स्कूल से लेकर बैंक तक खुलवाये और इन बाशिन्दों को भारत के सामान्य नागरिकों की तरह सारी सुविधाएं दीं। इनमें से बहुत से नागरिकों ने जमीन नीलामी में खरीदी है और बहुतों के पास जमीनी पट्टे हैं । क्या ये सारी कार्रवाई अवैध तरीके से हुकूमत की नाक के नीचे की गई? अगर यह रेलवे की जमीन थी तो यह विभाग अपने सामने ही पिछले साठ सालों से अपनी जमीन पर कब्जा होते कैसे देखता रहा और वहां उसने पक्के मकान बन जाने दिये। मगर सबसे ऊपर सवाल यह है कि भारत में क्या गरीबों को अपने ष्सिर पर पक्की छत डालने का हक है या नहीं?

भारत का संविधान कहता है कि प्रत्येक नागरिक को रहने-बसने का अधिकार है और यदि किसी कारणवश किसी रिहायशी इलाके के लोगों को कानूनी तौर पर वहां से उठाया जाता है तो उनके पुनर्वास की व्यवस्था करना भी सरकार का दायित्व है। इस सन्दर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के ही कई पिछले आदेश हैं जिनका सरकार को पालन करना पड़ा है। अतः बहुत स्पष्ट है कि नैनीताल उच्च न्यायालय का फैसला सर्वोच्च न्यायालय को न्यायोचित नहीं लगा और उसने उसके खिलाफ स्थगन आदेश देते हुए रेलवे विभाग व सरकार को निर्देश दिया कि वह हल्द्वानी के पचास हजार लोगों के लिए पहले व्यावहारिक पुनर्वास योजना तैयार करें और उसके बाद जमीन खाली कराने के बारे में सोचे। पूरे मामले का एक और व्यावहारिक पक्ष यह है कि भारत में जिस तेजी से आबादी बढ़ रही है उसे देखते हुए प्रत्येक परिवार के लिए घर की व्यवस्था करना भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व हो जाता है। बेशक सम्पत्ति का अधिकार संवैधानिक अधिकार है, मगर जन कल्याण के लिए जमीन अधिग्रहित करना भी सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। सरकारी विकास परियोजनाओं के लिए जब सरकार जमीन अधिग्रहण करती है तो वहां बसे लोगों के पुनर्वास की जिम्मेदारी भी उसकी होती है। जो लोग पीढ़ियों से किसी जमीन पर बसे होते हैं उनके कुछ वाजिब हक भी उस इलाके पर हो जाते हैं। भारत के संविधान की सबसे बड़ी खूबी भी यही है कि इसके हर प्रावधान में मानवीय पक्ष को प्रमुख रखा गया है, वरना क्या जरूरत थी सर्वोच्च न्यायालय को कि वह निर्देश देता कि पहले हल्द्वानी के पचास हजार लोगों को दूसरी जगह बसाने की कोई स्कीम तो सामने लाओ उसके बाद आगे की बात सोचो? भारत केवल कोठी-बंगले और बड़े-बड़े आलीशान मकानों का देश ही नहीं है बल्कि यहां आज भी 80 प्रतिशत लोग घरौंदों में ही रहते हैं। इनके घरौंदों को उजाड़ कर सम्पन्न भारत का सपना कैसे पूरा किया जा सकता है। जिन लोगों ने जीवन भर भारी मेहनत-मशक्कत करके अपने सर के ऊपर टूटी-फूटी छत बनाई है उन्हें एक ही झटके में केवल सात दिनों के नोटिस पर बेघर किया जा सकता है? एक घर बनाने में पूरी जिन्दगी लग जाती है फिर चाहे वह घर किसी हिन्दू का हो या मुसलमान का।

भए प्रकट कृपाला...

यदि राष्ट्र की धरती अथवा सत्ता छिन जाए तो शौर्य उसे वापिस ला सकता है। यदि धन नष्ट हो जाए तो परिश्रम से कमाया जा सकता है। यदि राष्ट्र की पहचान ही खो दे तो कोई भी शौर्य या परिश्रम उसे वापिस नहीं ला सकता। इसी कारण भारतीयों ने विषम परिस्थितियों में लाखों अवरोधों के बाद भी राष्ट्र की पहचान को बनाए रखने के लिए अनेक लड़ाइयां लड़ीं और बलिदान दिए। इसी राष्ट्रीय चेतना और पहचान को बचाए रखने के लिए देश के बहुसंख्यक हिन्दुओं को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का संकल्प पूरा करने केष् लिए वर्षों तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अब करोड़ों हिन्दुओं की आस्था के चलते अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर तैयार होने की तारीख आ गई है। गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा की धरती पर खड़े होकर यह ऐलान कर दिया है कि एक जनवरी 2024 को राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ राम मंदिर ही नहीं मां त्रिपुरा सुन्दरी का मंदिर भी ऐसा भव्य बनेगा कि पूरी दुनिया यहां देखने आएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में हिन्दुओं की आस्था के केन्द्र काशी विश्वनाथ का शानदार कारिडोर बनाया गया। महाकाल का कारिडोर बनाया गया। सोमनाथ और अंबाजी का मंदिर सोने का हो रहा है। देश के सभी धार्मिक स्थलों का पुराना वैभव लौट रहा है। जनसंघ के काल से ही भाजपा के एजैंडे में तीन मुद्दे प्रमुखता से शामिल रहे। पहला अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण, दूसरा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का उन्मूलन और समान नागरिक संहिता लागू किया जाना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में ही भाजपा अपने एजैंडे को पूरा कर पाई है। गृहमंत्री अमित शाह ने राजनीतिक कौशल का परिचय देते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए हटा दिया और अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और सरकार समान नागरिक संहिता से जुड़े मुद्दों पर काफी आगे बढ़ चुकी है। मुस्लिम महिलाओं पर अत्याचार ढाने वाले तीन तलाक को भी एक तरह से खत्म किया जा चुका है। नरेन्द्र मोदी सरकार को भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख मुद्दों को पूरा करने का श्रेय मिलना ही चाहिए। अब श्रीराम मंदिर निर्माण 2024 को पूरा होने के साथ ही हिन्दुओं का स्वप्न साकार हो जाएगा। जब वे श्रीराम लला के दर्शन कर गर्व महसूस करेंगे। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, कर्त्तव्य और मर्यादित आचरण का उत्कृष्ट स्वरूप है। मयार्दा निर्माण का यह अभ्यास विश्व इतिहास में अनूठा है। यही कारण है कि विज्ञान और विकास के दौर में भी श्रीराम जनमानस के देवता हैं। राम शक्ति के ही नहीं विरक्ति के भी प्रतीक हैं। राम भगवान से पहले एक व्यक्ति हैं। उन्होंने अपने जीवन में ऐसे कार्य किए हैं जिन्हें हम दैनिक जीवन में अपना सकते हैं। जनमानस की व्यापक आस्थाओं के इतिहास को देखें तो मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम कण-कण में विद्यमान हैं। श्रीराम इस देश के पहले महानायक हैं। राम का जो विराट व्यक्तित्व भारतीय जनमानस पर अंकित है, उतने विराट व्यक्तित्व का नायक अब तक के इतिहास में कोई दूसरा नहीं हुआ। राम के जैसा दूसरा कोई पुत्र नहीं। उनके जैसा सम्पूर्ण आदर्श वाला पति, राजा, स्वामी कोई भी दूसरा नाम नहीं। राम किसी धर्म का हिस्सा नहीं, बल्कि मानवीय चरित्र के उदात हैं। भगवान राम के पावन नाम के स्मरण मात्र से प्राणों में सुधा का संचार होता है। इस नाम की महिमा कौन नहीं जानता। भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के प्रतीक पुरुष श्रीराम भारतीयों के रोम-रोम में बसे हुए हैं। मैथलीशरण गुप्त का साकेत सचमुच इस बात की घोषणा करता है ह्यहृाराम तुम्हारा वृत स्वयं ही काव्य हैकोई कवि हो जाए सहज संभाव्य है ह्लह्लआज भारत को भावनात्मक एकता की जरूरत है। आज आदर्शों की बात होनी चाहिए। चरित्र की बात होनी चाहिए। व्यवहार की बात होनी चाहिए। मानव कल्याण और विश्व शांति की बात होनी चाहिए। आज समूचा विश्व जल रहा है। विश्व आज उस मुकाम पर खड़ा है, जहां विध्वंस ही विध्वंस नजर आ रहा है। विश्व में शांति का मार्ग बताएगा तो वह श्रीराम मंदिर ही होगा। पूरी दुनिया हमारी इस धरोहर का लाभ उठाए तभी शांति की स्थापना हो सकती है। हमें श्रीराम के नाम की पावन शक्ति को पहचानना होगा और उसके सदुपयोग से देश में अशांति को समाप्त करना होगा। श्रीराम मंदिर साम्प्रदायिक सद्भाव और ष्विश्व शांति के रूप में उभरे यही भारतीयों की कामना है। हमें इस बात का हमेशा गर्व रहेगा कि हमने अपने जीवन में श्रीराम लला के दर्शन कर अपना जीवन सफल बनाया है। हमें बेसब्री से इस बात का इंतजार है कि कब श्रीराम मंदिर हम सबके दर्शनार्थ खोला जाएगा और हम सब श्रीराम को नमन करेंगे।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस को बनाएगी विपक्ष की धुरी, वरुण साथ आए तो परिवार भी जुड़ेगा

राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा लगभग तीन-चौथाई से भी ज्यादा सफर तय कर चुकी है। तीन जनवरी से यह यात्रा अपने शेष सफर को पूरा करने के लिए फिर शुरू हो चुकी है और जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में जाकर समाप्त होगी। राहुल गांधी और भारत जोड़ो यात्रा को मिलने वाला भारी जनसमर्थन कन्याकुमारी से लेकर दिल्ली और दिल्ली के बाद उत्तर प्रदेश में भी बदस्तूर जारी है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा ने जनता में जो हलचल पैदा की है, उसे अगर कांग्रेस अपने अगले कार्यक्रमों के जरिए सरकार के विरोध की राजनीति का स्वर बनाने में कामयाब हुई, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ही विपक्षी एकता और विपक्षी राजनीति की धुरी बनेगी। साथ ही अगर इस यात्रा में राहुल गांधी अपने छोटे भाई (चाचा संजय गांधी के बेटे) वरुण गांधी को भी किसी मोड़ पर साथ जोड़ सके, तो नेहरू इंदिरा का परिवार और विरासत भी एकजुट हो सकेगी। सियासी हल्कों और सोशल मीडिया में यह चर्चा जबर्दस्त तरीके से हो रही है। वरुण तैयार, राहुल की हां का इंतजार इन चचाओं के मुताबिक वरुण को इस यात्रा से जोड़ने और राहुल का रुख उनके प्रति नरम करने की कोशिशें पर्दे के पीछे पार्टी और परिवार के कुछ शुभचिंतक कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक वरुण लगभग तैयार हैं लेकिन उन्हें अपने बड़े भाई राहुल गांधी के सकारात्मक संकेत का इंतजार है। जबकि वरुण को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में राहुल कह चुके हैं कि यात्रा में जो भी आना चाहे उसका स्वागत है, जहां तक वरुण का सवाल है वह भाजपा में हैं और उन्हें यात्रा में आने से वहां समस्या हो सकती है। वरुण गांधी के सवाल पर कांग्रेस के एक बेहद वरिष्ठ नेता का कहना है कि देर सिर्फ दोनों भाईयों के बीच इस मुद्दे पर संवाद की है, जिस दिन यह हो गया उसी दिन सारी बर्फ पिघल जाएगी। देखना यह है कि पहल कौन करता है। क्या राहुल बड़े भाई का फर्ज निभाते हुए छोटे भाई वरुण को गले लगाने के लिए आगे बढ़ते हैं या फिर वरुण खुद बड़े भाई का साथ देने के लिए कोई कदम उठाते हैं। वैसे अगर राहुल पहल करते हैं तो इससे उनकी बदलती छवि में एक बड़ा सितारा और टंक जाएगा और उन्हें परिवार व उसकी विरासत को जोड़ने का श्रेय मिलेगा। दिल्ली तक की यात्रा पूरी करने के बाद कांग्रेस ने आगे इस यात्रा में शामिल होने के लिए सभी विपक्षी दलों को पत्र लिखकर आमंत्रित किया है। यहां तक कि कांग्रेस प्रवक्ताओं ने संवाददाता सम्मेलन में अनौपचारिक तौर पर भाजपा से भी यात्रा में शामिल करने की अपील कर दी। दरअसल यात्रा को मिल रहे जबर्दस्त समर्थन ने कांग्रेस का उत्साह बढ़ा दिया है और अब वह इस यात्रा को ज्यादा समावेशी बनाना चाहती है और साथ ही उसकी एक राजनीतिक कोशिश है कि इस यात्रा के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों को एक मंच पर भी लाया जा सकता है। हालांकि जहां नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने यात्रा में शामिल होकर उसे अपना समर्थन दे दिया है, जबकि पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी यात्रा का समर्थन करते हुए उसमें शामिल होने की बात कही है। वहीं उत्तर प्रदेश के दोनों पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और अखिलेश यादव ने यात्रा को शुभकामनाएं तो दी हैं, लेकिन उसमें शामिल नहीं हुए। रालोद अध्?क्ष जयंत चौधरी का रुख भी यही रहा। हालांकि उनके प्रभाव वाले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यात्रा के समर्थन में जुटी भारी भीड़ में खासी संख्या में रालोद समर्थक भी दिखाई दिए इनमें कई उत्साही रालोद समर्थक इस तरह राहुल गांधी के पक्ष में बोलते दिखे मानों वो रालोद के नहीं कांग्रेस के कार्यकर्ता हों। चंपत राय और पुजारी सत्येंद्र दास ने दी शुभकामनाएं दिलचस्प है कि उत्तर प्रदेश में यात्रा की सफलता को लेकर तमाम किंतु परंतु थे, क्योंकि इस राज्य में कांग्रेस अपना जनाधार खो चुकी है और 2022 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस महज दो सीटें और दो फीसदी से कुछ ज्यादा वोट ही पा सकी थी। इसके बावजूद यहां न सिर्फ यात्रा में भारी संख्या में लोग शामिल हुए बल्कि अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि न्यास के प्रमुख कर्ताधर्ता और विश्व हिंदू परिषद के नेता चंपत राय और राम जन्मभूमि मंदिर के प्रमुख पुजारी सत्येंद्र दास और अयोध्या के संत गोविंद गिरि ने भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को शुभकामनाएं देकर सबको आश्चर्य में डाल दिया। उत्तर प्रदेश में इस यात्रा में राज्य के एक आंचलिक दल महान दल के नेता केशवदेव मौर्य और उनके समर्थक भी शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के शामली से जब भारत जोड़ो यात्रा हरियाणा में दाखिल हुई, तो उसके साथ हजारों की संख्या में लोगों का हुजूम था। आबादी और राजनीतिक महत्व की दृष्टि से देश के इस सबसे बड़े राज्य में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा महज तीन दिन ही रही, लेकिन इसने उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभाव छोड़ा। इसमें शामिल होने के लिए न सिर्फ पश्चिमी उत्तर प्रदेश बल्कि राज्य के अन्य हिस्सों के लोग भी भारी संख्या में शामिल हुए। इससे यात्रा का संदेश राज्य के उन हिस्सों में भी पहुंचा है जहां यह यात्रा नहीं गई। उत्तर प्रदेश के बाद यह यात्रा अब हरियाणा पंजाब और जम्मू कश्मीर जा रही है जहां कांग्रेस का संगठन और जनाधार अभी मजबूत है। यात्रा की सबसे कड़ी और कठिन परीक्षा दिल्ली और उत्तर प्रदेश में ही थी, जहां उसने उम्मीद से काफी ज्यादा कामयाबी हासिल की है। यात्रा को लेकर भाजपा की थी ये सोच कन्याकुमारी से चल कर कश्मीर के श्रीनगर तक पहुंचने वाली भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस कितनी मजबूत होगी और राहुल गांधी को कितना फायदा मिलेगा यह सवाल सबकी जुबान पर है ।

मेषः-शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

वृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्कः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

तुलाः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

वृश्चिकः- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनुः- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

मकरः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभः- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मीनः- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

लिबर्टी लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित कौशल पुरस्कार प्रतियोगिता में 76 प्रतिभागियों ने दी परीक्षा कैरियर मार्गदर्शन में

प्रशासनिक अधिकारीयों एवं कैरीयर मार्गदर्शक ने किया मार्गदर्शित

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

नगर के स्थानीय बालाघाट रोड़ स्थित लांजी क्षेत्र की कोचिंग संस्थान लिबर्टी लर्निंग सेंटर लांजी के 6 वें स्थापना दिवस समारोह पर प्रतियोगी अभ्यार्थियों हेतु कोचिंग संस्थान व मार्गदर्शकों द्वारा एक संयुक्त पहल पर आज 8 जनवरी दिन रविवार को सुबह 10 बजे

से कौशल पुरस्कार प्रतियोगिता एवं कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी लांजी में किया गया। कौशल पुरस्कार प्रतियोगिता में 94 प्रतियोगियों ने पंजीयन कराया था जिसमें 76 प्रतियोगियों ने परिक्षा में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को संयोजक दीनू उइके गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन लांजी, हेमंत बड़में संचालक हेमंत ऑनलाईन सर्विसेस लांजी, हितेश भंडारकर संचालक पवन स्क्रीन प्रिंटर्स निमटोला लांजी, संजय पांचे संचालक संजय ऑनलाइन -फोटोग्राफी लांजी, अंकित बिछोड़े संचालक अंकित मोबाईल रिपेरिंग पालडोंगरी लांजी, रोशन घोरमारे संचालक मनीष मेन्स वेयर लांजी की ओर से प्रोत्साहन राशि तथा पांचो विजेता अभ्यार्थियों को कोचिंग संस्थान की ओर से मार्गदर्शकों के हस्ते शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। साथ ही प्रथम पांच विजेताओं को लिबर्टी कोचिंग संस्थान में 6 माह निःशुल्क कोचिंग प्रदान करने की बात कही।

मंचासीन रहें प्रशासनिक अधिकारी एवं केरियर मार्गदर्शक लिबर्टी लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित कैरियर मार्गदर्शक में मंच पर

मार्गदर्शक दुर्गेश आर्मो एसडीओपी लांजी, खुदीराम सनोड़िया एसडीओ कृषि लांजी, अशोक नारनौरे पशुचिकित्सक क्षेत्र अधिकारी लांजी, राकेश उइके पशु चिकित्सक क्षेत्र अधिकारी लांजी, सुरेंद्र चिखले सहायक प्राध्यापक लांजी, अक्षय मरावी उपयंत्री लांजी, डॉ. वीरेंद्र कुचलाहे दंत चिकित्सक लांजी, गोलू परते सहायक प्राध्यापक लांजी, अमोलसिंह धुर्वे वनपाल लांजी, गांधी घोरमारे कृषि विस्तार अधिकारी किरनापुर, कैलाश वैद्य शिक्षक पाली अकैडमी बिसोनी, मयूर सुले अध्यक्ष पत्रकार संघ लांजी, दिनेश रामटेक्कर वरिष्ठ पत्रकार, संजय टेभरे पत्रकार, रितेश कटरे पत्रकार उपस्थित रहे। साथ ही प्रायोजक दीनू उइके, हेमंत बडमें, अंकित बिछोड़े, रोशन घोरमारे, संजय पांचे, हितेश भंडारकर, सहयोगी दिनेश नारनौरे शिक्षक, रविन्द्र धारणे, महेंद्र कुथे, प्रीति नारनौरे, डॉली घरते कोचिंग संस्थान से सुरेश हनोते, रंजीत ऐड़े, ज्योति बड़धैया राकेश नारनौरे संचालक लिबर्टी कोचिंग उपस्थित रहें।

इन प्रतिभागियों ने हासिल किया कौशल पुरस्कार विजेता-प्रतियोगिता में सचिन पिता बाबूराव सातपुते प्रथम स्थान, देवकी पिता लक्ष्मीचंद मचगाहे द्वितीय, नीतेश पिता ताराचंद नागवंशी तृतीय, समीर पिता उदेलाल कुराहे चतुर्थ, डुलेश्वरी पिता रोशनलाल मुळावड़ पंचम स्थान प्राप्त किए। वहीं सांत्वना पुरस्कार के रूप में दिनेश पांचे छटवां, हरेश सोनवाने सप्तम, रवीना मस्करे आठवां, युगलकिशोर बडधैया नौवां, प्रगति दहीकर ने दसवां स्थान प्राप्त किया।

एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने बच्चों से की चर्चा-एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शित करते हुए छात्रों से पूछा कि आपके द्वारा किन किन परिक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और आपको तैयारी में क्या समस्याएं आ रही है। छात्रों के द्वारा अपनी समस्या बताई तदोपरांत एसडीओपी ने छात्रों से कहा कि हम अपने आप को एकाग्रचित्त नहीं कर पाते हैं, इसके अलावा हम किसी एक रोजगार को लेकर तैयारी नहीं करते इसके विपरीत सभी परिक्षाओं में भाग लेते हैं जिससे हमारा ध्यान नहीं होता और हम असफल हो जाते हैं। वहीं सभी को डे टू डे तैयारी कर उसके रिविजन पर ध्यान देना होगा। और आप सभी को एक उद्देश्य को लेकर परिक्षा की तैयारी करनी होगी जिससे कि सफलता प्राप्त होगी। सभी को इतना याद रखना होगा कि कितने पद है यह जरूरी नहीं है आपको सिर्फ एक पद चाहिए इसका ध्यान रखना होगा। आगे की कड़ी में उपस्थित वक्ताओं के द्वारा छात्रों को मार्गदर्शन किया।

आयुष मंत्री श्री कावरे ने मानेगांव में प्राथमिक शाला भवन निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

गांव का सर्वांगीण विकास हमारी पहली प्राथमिकताः योगराज कटरे सरपंच

हामेश कटरे रिपोर्टर पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

मध्यप्रदेश शासन के आयुष एवं जल संसाधन राज्य मंत्री श्री रामकिशोर नानो कावरे 08 जनवरी 2023 को परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मानेगांव में सर्व शिक्षा अभियान की 36 लाख 12 हजार रुपये की राशि से बनने शासकीय प्राथमिक शाला भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। आयुष मंत्री श्री कावरे के मुख्य आतिथ्य में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष फूलचंद सहारे ने की। इस कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्री भूरू पटेल, ग्राम पंचायत मानेगांव के सरपंच योगराज कटरे, उप सरपंच श्रीमती जागृति दुर्गेवार, श्री राजेंद्र ठाकुर, जनपद पंचायत के सीईओ श्री गायत्री कुमार सारथी, अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

मुख्य अतिथि मंत्री श्री कावरे ने इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मानेगांव में 36 लाख 12 हजार रुपये की राशि से प्राथमिक शाला भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया है । ग्राम पंचायत इस भवन का निर्माण कार्य तेजी से पूरा करें, जिससे बच्चों को अध्ययन के लिए शीघ्रता से अच्छी सुविधा मिल सकेगी। भवन का कार्य अच्छी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए जिससे यह भवन लंबे समय तक उपयोग होता रहे। मंत्री श्री कावरे ने कहा कि गांव में विकास कार्यों की बहुत जरूरत है और उनके लिए राशि का इंतजाम करना आसान नहीं होता है । लेकिन इसके बाद भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधि होने के नाते वे अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए धन का इंतजाम कर रहे हैं । पिछले दिन ही उनके द्वारा घुनाड़ी, चरेगांव और भोंडवा में 88 लाख रुपये के कामों का भूमि पूजन किया गया है। मंत्री श्री कावरे ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के विकास के लिए अच्छा काम करता है तो जनता उसका सम्मान करती है और इस सम्मान से जनप्रतिनिधि को और भी अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलती है। अतः पंचायत राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधि भी अपनी जिम्मेदारी को समझें और अच्छे से अच्छा काम करने का प्रयास करें। मंत्री श्री कावरे ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई गई हैं और उनका क्रियान्वयन किया जा रहा है। शासकीय अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी है कि वह इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का काम करें। पंचायत राज व्यवस्था में चुनकर आए जनप्रतिनिधि इस बात का ध्यान रखें कि पात्र लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास, किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं । यदि पात्र लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है तो वे ऐसे लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तत्परता के साथ काम करें । मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सभी योजनाओं के पात्र लोगों तक 38 प्रकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान चलाया गया है। इसके बाद भी किन्ही कारणों से कुछ लोग योजनाओं का लाभ पाने से वंचित रह गये हों तो उन तक लाभ पहुंचाने का काम किया जाए । जनप्रतिनिधि का काम केवल अधोसंरचना विकास तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी उसका योगदान होना चाहिए।

लापरवाह वाहन चालकों पर हुई चालानी कार्रवाई

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

शासन के निर्देशानुसार लांजी एसडीओपी दुर्गेश आर्मो के दिशा निर्देशन में एवं थाना प्रभारी दिनेश कुमार सोलंकी के मार्गदर्शन में सड़क पर आवागमन कर रहे बेलगाम लापरवाह वाहन चालकों की सघन जांच अभियान चलाकर लगातार चालानी कार्यवाही की जा रही है। जिसमें वाहन चालकों के वाहनों के कागजात के साथ साथ सीट बेल्ट एवं हेलमेट के उपयोग की जांच तथा महाराष्ट्र राज्य की ओर से आने जाने वाले वाहनों की जांच की गई। लांजी एसडीओपी दुर्गेश आर्मो के निर्देश पर विगत दिनों से लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है। और इसी कड़ी में लांजी थाना पुलिस के द्वारा लांजी भिलाई मुख्य मार्ग पर कालीमाटी के पास आवागमन कर रहे दुपहिया एव चौपहिया वाहनों की सघन जांच कर लापरवाह वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस के द्वारा 5 दुपहिया वाहन चालकों से 1250 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। वहीं सभी वाहन चालकों को समझाइश भी दी गई कि आगे से सभी वाहन चालक एवं वाहन पर सवार व्यक्ति को अनिवार्यतः हेलमेट एवं सिटबेल्ट पहनना होगा। अपने गाड़ियों के समस्त दस्तावेज अपडेट रखना होगा। चालानी कार्रवाई के दौरान लांजी थाने से एएसआई अक्षय यादव, एएसआई वरशन धुर्वे, आरक्षक भोला अवसारी, आरक्षक विजय हरदिया, आरक्षक हेमराज काकोड़े अन्य पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा महिला मोर्चा का लाड़ली लक्ष्मी सम्मेलन संपन्न

श्योपुर-भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चे का लाडली लक्ष्मी सम्मेलन भाजपा जिला कार्यालय पर आज दोपहर संपन्न हुआ। जिसमें मध्य प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान जी के द्वारा चलाई जा रही लाडली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित हुई बालिकाओं का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाडली लक्ष्मी योजना के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री महावीर सिंह सिसोदिया ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना वरदान साबित हो रही है। इस योजना से प्रदेश की अनगिनत बेटियां लाभान्वित हुई है। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा आज बेटियों को निशुल्क शिक्षा, निशुल्क गणवेश सहित आगामी समय से लाडली लक्ष्मी योजना-2 में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित अनेकों कोर्स सरकार द्वारा प्रदेश की बेटियों को मुफ्त करवाए जाएंगे। आज

के इस कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्यगण श्री दुर्गालाल विजय, श्री कैलाश नारायण जी गुप्ता, जिला महामंत्री श्री शशांक भूषण, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज तोमर, नगर पालिका श्योपुर अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग, जनपद पंचायत श्योपुर की अध्यक्षा श्रीमती रीना आशीष मीणा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती कविता मीणा, भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती मिथिलेश तोमर ने भी संबोधित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका श्योपुर की अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग तथा संचालन महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती मंजेश साहू के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती उमा शर्मा, श्रीमती रमा वैष्णव, श्रीमती अल्पना गर्ग, श्रीमती सुनीता तिवारी, श्रीमती मंजू गोयल, श्रीमती कश्मीर कौर, श्रीमती ममता मित्तल, श्रीमती सपना गर्ग, श्रीमती मंजू राठौर आदि सहित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

मुसालिया एवं भीवली गांव का स्नेह मिलन का आयोजन

पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल ब्यूरो सीफ

बेंगलुरू = ग्राम मुसालिया एवं भीवली का स्नेह मिलन का सामोरह जोगरहल्ली स्थित आईजी धाम परिसर में माताजी की पूजा आरती के साथ प्रारंभ हुआ मंच संचालन वीरमराम सोलंकी ने किया नेमाराम गहलोत एवं ताराराम सोलंकी ने आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया सभा को संबोधन करने वाले मालाराम गहलोत ने शिक्षा के ऊपर जोर देने को कहा हरिश मुलेवा ने आज के नए युग के हिसाब से समाज में नई सोच लाने का संदेश दिया साथ साथ व्यापार हो या शिक्षा नए तरीके से समाज को भी चलना होगा, पारसमल परिहार ने भी शिक्षा के ऊपर जोर दिया, सम्मेलन में ढोल थाली पर महिलाओं ने राजस्थानी लोक नृत्य कर के लुफ्त उठाया, बच्चे एवं युवाओं ने खेल क्रिकेट, बोली बाल, रिंग डिस्क थ्रो, का आनंद लिया ताराराम रामलाल मेगाराम, जीवाराम, लकराम, वालाराम एवं बलेपेट वडेर के सचिव नारायणलाल लचेटा उपाध्यक्ष भंवरलाल सीरवी सहित समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक हिना कावरे ने किया डोंगरगांव में सीसी रोड का भूमिपूजन

आपकी सभी मांगे पूरी होगी - हिना कावरे विधायक

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

विकासखण्ड लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगॉव में विधायक विकास निधि से प्राप्त 3 लाख रूपये में श्रीराम मंदिर चौक से ओटेकसा मार्ग की ओर सी.सी. रोड़ के निर्माण का कार्य का भूमि पूजन सुश्री हिना लिखिराम कावरे विधायक के द्वारा 7 जनवरी को श्रीराम मंदिर चौक ग्राम पंचायत डोंगरगॉव में किया गया है। भूमि पूजन कार्यक्रम में श्रीमती अर्चना रेवेन्द खोंगल अध्यक्ष ज.प. लांजी, प्रमुख अतिथि अजय अवसरे उपाध्यक्ष ज.प. लांजी, देवेन्द्र खोंगलजी पूर्व अध्यक्ष ज.प. लांजी, ऋषि पटेल दशरिया सरपंच ग्रा.प. वारी, दिनदयाल भोयर सरपंच ग्रा.प. ओटेकसा, पोषन मस्करे सरपंच ग्रा.प. चिचोली, घनश्याम धामने सरपंच ग्रा.प. चिखली, किशोरीलाल पाचें सरपंच ग्रा.प. सावरीखुर्द, श्रीमती सुनिता डिलेश्वर बसेना सरपंच ग्रा.प. अमेड़ा-ब, श्रीमती रजुला अशोक मलघाम सरपंच ग्रा.प. रिसेवाड़ा, श्रीमती मीना राजेश्वर लिल्हारे सरपंच ग्रा.प. बिरनपुर, श्रीमती यमुना डाहरे पूर्व सरपंच ग्रा.प. डोंगरगॉव, ईश्वरदास डाहरे पूर्व जनपद सदस्य, धनुलाल लिल्हारे पुलीस पटेल डोंगरगाँव प्रमुखता से उपस्थित रहें। राजकुमार ताण्डेकर सरपंच ग्राम पंचायत डोंगरगॉव, बसंत निर्मलकर उपसरपंच, गणेश हटिले सचिव, दशरथ उपराड़े सहायक सचिव एवं समस्त

पंचगण तथा ने भूमी पूजन कार्यक्रम में शामिल हुई जनता का धन्यवाद किया।

आपकी सभी मांगे पूरी होगी - हिना कावरे विधायक-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल मुख्य अतिथि हिना कावरे ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम में देरी से पहुंची उसके बावजूद भी यहां पर लोग रूकें हुए हैं इसलिए मैं बहुत आप सभी का आभारी हूं। भूमिपूजन तो एक बहाना था वास्तव में मुझे यहां के लोगों को सुनना था, उनसे मिलना था बातचीत करना था। आज आपने सभी कांग्रेस के पदाधिकारियों को सुना सब ने कहा कि हमारे विधायक जी ने रोड़ दिया पुलिया दिया सब कुछ दिया लेकिन आप लोगों ने वोट कम दिया फिर भी मैं निश्चिंत हूं। मुझे पता है कि आने वाले समय में हमारा कार्य आपके मस्तिष्क में होगा और आपका आशीर्वाद अवश्य मिलेगा। इस क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण मांग है डोंगरगांव से ओटेकसा एवं गोसाईंटोला वाली रोड साथ में पुलिया इस रोड के लिए। 5 साल के कार्यकाल का अंतिम बजट सत्र आ रहा है, बजट में इस रोड को शामिल करूंगी और पूरा विश्वास है कि यह मांग स्वीकृत भी होगी।आपकी मांग थी कि शीतला माता मंदिर में सभा मंच चाहिए तो वह भी होगा। अमेरिका के आमंत्रण पर वहां का दौरा कर आई हूं इसका श्रेय क्षेत्र की जनता को जाता है क्योंकि यदि आज मुझे विधायक नहीं बनाते तो शायद मुझे अमेरिका जाने का सौभाग्य नहीं मिलता है यह सब आपकी देन है मैंने वहां जो सीखा है उस अनुभव को क्षेत्र के विकास में दूंगी।

बेसहारा ,असहाय, मजदूर, गरीब, दिव्यांग, बुजुर्गों तथा छोटे बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। स्वर्गीय श्रीमती केसर देवी स्मृति शिक्षा प्रसार समिति ग्वालियर तथा वेदांश कंप्यूटर एजुकेशन के छात्र छात्राओं ने आज जलालपुर चौराहे ए बी रोड पर झुग्गी झोपड़ी मैं सर्द रातों में जीवन यापन कर रहे बच्चों बुजुर्गों तथा माता बहनों को गर्म, कपड़े, टोपे, मफलर ,कंबल बड़ी संख्या में वितरित किए। इसके अलावा बड़ी संख्या में नारायण विहार में झुग्गी झोपड़ी में खुले आसमान के नीचे रह रहे मजदूर वर्ग के लोगों को गर्म कपड़े वितरित किए इस अवसर पर संस्थान के संचालक हेल्प गुरु प्रमोद राजावत, नितेश राठौर ,अमन राजावत, नीरज शर्मा ,रोबिन पांडे, जयकेस झा हर्षिता, वेदांश सहित संस्थान के लगभग 100 छात्र-छात्राएं शामिल हुए!!

विधानसभा क्षेत्र सिरोंज-लटेरी के विभागीय और विकास

कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। क्षेत्र के विकास और विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक सिरोंज- लटेरी विधायक उमाकांत शर्मा की अध्यक्षता में आज शनिवार को कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव के द्वारा सिरोंज के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सम्पन्न हुई है। समीक्षा बैठक का शुभारंभ सिरोंज विधायक श्री उमाकांत शर्मा, कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने बैठक में सिरोंज विधानसभा क्षेत्र में संचालित निर्माणाधीन तथा जिन गौशालाओं का निर्माण कार्य प्रारंभ होना है के संबंध में जानकारी प्राप्त ही नहीं की बल्कि उक्त कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि गौशालाओं में पर्याप्त बिजली पानी के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। विधायक श्री शर्मा ने सिरोंज, लटेरी जनपद पंचायत के सीईओ से कहा कि जनपद क्षेत्रों में संचालित निर्माण कार्यों का प्रत्यक्ष भौतिक सत्यापन नहीं किया जा रहा है उक्त कार्यों का प्रत्यक्ष भौतिक सत्यापन करें ताकि पंचायतों में गुणवत्तापूर्ण कार्य हो सकें।

विधायक श्री शर्मा ने नगरपालिका द्वारा संपादित विभिन योजनाओं तहत हितग्राहियों को लाभ प्रदाय करने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण क्षेत्र में जन सहयोग से उक्त कार्य संपादित हों इस तरह की अपेक्षा अधिकारी, कर्मचारियों से व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना तहत प्राप्त आवेदनों में पात्र हितग्राहियों को समय सीमा में लाभान्वित किया जाए साथ ही उन्होंने किसान सम्मान निधि योजना के कार्यों की समीक्षा भी की है।

कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने आश्वस्त कराया की सिरोंज लटेरी क्षेत्र में जो भी कार्य लंबित हैं उनको सर्वोच्च प्राथमिकता से शीघ्र अति शीघ्र शुरू कराकर पूर्ण कराया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्य हेतु जो भी योजना व कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है उन सबकी मानिटरिंग व्यवस्था भी क्रियान्वित की जाएगी ताकि कार्यों के दौरान किसी भी प्रकार के अवरोध उत्पन्न ना हो सकें। कलेक्टर श्री भार्गव ने मीडियाकर्मियों से संवाद करते हुए बैठक आयोजन के उद्देश्यों पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने कहा इस बैठक का मुख्य उद्देश्य है कि सभी प्रकार के कार्यों का क्रियान्वयन समयावधि में पूरा हो सके। जिन नये कार्यों के संबंध में विधायक श्री शर्मा के द्वारा सुझाव दिए गए हैं उन कार्यों का भी समय सीमा में क्रियान्वयन किया जाएगा। बैठक में विधानसभा क्षेत्र सिरोंज, लटेरी अंतर्गत विभागीय एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक एजेण्डा बिंदु अनुसार मप्र सड़क निगम के भोपाल संभाग सिरोंज,लटेरी अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य की समीक्षा के साथ साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत सिरोंज, लटेरी मार्गो के निर्माण कार्यो, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सिरोंजध्लटेरी अंतगर्त निर्माण कार्यों की समीक्षा की है। बैठक में टेल मध्यम, सेमलखेड़ी तीर्थ लघु सिंचाई परियोजना, बरखेड़ा हरगन लघु सिंचाई परियोजना अंतर्गत ग्रामवार भू अर्जन प्रकरणों का निराकरण एवं भू अर्जन राशि का भुगतान। सिरोंज विधानसभा अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्र एवं योजनाओं हेतु आयुष्मान कार्ड अंतर्गत लक्ष्य प्राप्ति की जानकारी। जनपद पंचायत सिरोंज संचालित योजनाओंध्निर्माण कार्यों की जानकारी। (विधायक निधि,15वा वित्त जिला स्तर, जनपद स्तर, आंगनवाडी भवन,मनरेगा, पीएम आवास, एसबीएम, पेंशन, श्रम आदि)। नगर परिषद सिरोंज,लटेरी अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्य मंत्री शहरी पेयजल योजना,मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना,प्रधानमंत्री स्वनिधी स्ट्रीट बेण्डर, स्वरोजगार योजना। सिरोंज, लटेरी विधानसभा अंतर्गत लोक निर्माण विभाग के स्वीकृत, निर्माणाधीन, प्रस्तावित कार्य। सिरोंज,लटेरी विधानसभा क्षेत्रांतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के नलजल योजनाओं की समीक्षा। एकिकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना के हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा एवं आंगनवाडी निर्माण। सिरोंज, लटेरी विधानसभा अंतर्गत संचालित कुल शासकीय उचित मूल्य दुकान की जानकारी, प्रस्तावित निर्माणाधीन दुकानों की जानकारी, पात्रता पर्ची संबंधी जानकारी। सिरोंज, लटेरी विधानसभा अंतर्गत संचालित शालाओं की जानकारी एवं विभागीय निर्माण,अनुरक्षण,मरम्मत कार्यों की स्थिति। समीक्षा बैठक में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा। कृषि उपज मंडी समिति सिरोंज,लटेरी अंतर्गत संचालित योजनाओं, निर्माण कार्यों की समीक्षा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग की हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा। सिरोंज, लटेरी अन्तर्गत छात्रावास एवं जनजातीय कार्य अंतगर्त योजनाओं की समीक्षा।पीएम किसान, सीएम किसान योजना एवं मुख्यमंत्री भू-आवासीय योजना की समीक्षा की गई है।

बिग ब्रेकिंग इलेक्ट्रॉनिक खंबा के पास काम कर रहे युवक को लगा करंट युवक हुआ घायल

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग -गरियाबंद जिला के देवभोग ब्लॉक अंतर्गत देवभोग समुदायिक हॉस्पिटल के आगे लगे इलेक्ट्रॉनिक खंबा के सामने काम करते के दौरान हुई हादसा बिजली की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घटना के वक्त थाना क्षेत्र समुदायिक हॉस्पिटल के सामने घटी । युवक सड़क किनारे लगी खंबे के बगल में काम कर रहा था इसी दौरान खंभे के तार सेट होने पर युवक करंट की चपेट में आने से घायल होकर नीचे गिर पड़ा स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए देवभोग समुदायिक हॉस्पिटल मैं इलाज कराया जा रहा है। को करंट लगने पर युवक पूरी तरह घायल हो गया जिसकी उपचार समुदायिक हॉस्पिटल देवभोग मैं किया जा रहा है। घायल युवक चल रहे नेशनल हाईवे की चौड़ी करण में करता है।

शांकभरी सेवा संस्थान ने जयंती पर किया अन्ना दान

संवाददाता हेमचंद नागेश

छुरा ।निस्वार्थ भाव से कर रहे सर्व समाजसेवी संस्था छत्तीसगढ शांकम्भरी सेवा संस्थान द्वारा मां शांकम्भरी देवी जयंती पर पूजा अर्चना कर के अन्ना दान करने धर्मेंद्र ध्रुव नवाडिही मड़ेली आदिवासी गरीब परिवारों के बीच संस्थापक मनोज पटेल ने पहुंचकर संस्था द्वारा अन्न का किया दान विशेष मदद समाज सेवी मनोज पटेल जी ने बताया की हमारी संस्था का उद्देश्य ही गरीबों परिवार का समस्या निराकरण के लिए बनाया गया है गरीबों का समस्या को सरकार तक पहचाने के लिए है विशेष पिछड़ा कमार भुजिया जनजाति को जागरूक करने एवं गरीबी दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे है इसे बीच नगर के समाजसेवी मनोज पटेल ने छेरछेरा त्यौहार के दिन ग्राम नवापारा मड़ेली पहुंचकर अन्ना और वस्त्र भेंटकर सम्मान किया गया ग्राम पंचायत मड़ेली के सरपंच श्रीमति लक्ष्मी ठाकुर भी मदद के लिए भी आगे आये धर्मेंद्र ध्रुव की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब व दिमाग की हालत टीक नहीं होने के चलते इनसे मुलाकात कर अन्ना व वस्त्र भेंटकर सम्मान किया गया।जिसमें प्रमुख रुप से पुनितराम ठाकुर व ग्रामीण जन उपस्थित थे।

नगवां पंचायत के चुरचू में हुआ सदर विधायक का भव्य स्वागत, करीब 1 करोड़ के पथ का किया शिलान्यास

रविवार को हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने सदर प्रखंड के नगवां पंचायत स्थित ग्राम चुरचू का सघन दौरा किया। यहां पहुंचने पर विधायक मनीष जायसवाल का स्थानीय लोगों ने फूल माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंटकर जबरदस्त स्वागत किया। विधायक मनीष जायसवाल ने जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता के साथ मिलकर अपने अनुसंसा से डीएमडीटी मद अंतर्गत स्वीकृत चुरचू में कारी टोंगरी तक पथ निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास शिलापट्ट का अनावरण कर और नारियल फोड़कर किया। इस पथ का निर्माण करीब एक करोड़ की लागत से जिला परिषद से किया जाएगा । मौके पर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि एक समय था जब पहली बार विधानसभा चुनाव जीत कर आए थे तो ग्रामीण क्षेत्रों में सर के काम और गड्ढे ज्यादा थे लेकिन अपने कार्यकाल में ग्रामीणों क्षेत्रों की सड़कों को शहरी क्षेत्रों के सड़कों के अनुरूप गुणवत्त बनवाया है और बाकी बचे सड़कों को भी सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार सकारात्मक प्रयास जारी है। उन्होंने कहा की विकास एक निरंतर प्रक्रिया है यह चलते रहेगी लेकिन सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और समाज के निम्न तबके के लोगों को मिले इस ओर हमसभी को सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता ने भी सदर विधायक मनीष जायसवाल के विकास और सेवा के कार्यों की तत्परता की खूब प्रशंसा की। सड़क शिलान्यास के बाद विधायक मनीष जायसवाल ने ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याएं जानी और जल्द निराकरण का भरोसा जताया ।

मौके पर विशेषरूप से स्थानीय जिला परिषद सदस्य मुकेश कुमार, नगवा पंचायत का मुखिया विनय कुमार उर्फ विनोद प्रसाद मेहता, सदर विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार, पूर्व जिला परिषद सदस्य विनोद प्रसाद मेहता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष उमा पाठक, जिला मंत्री भानुमति पासवान, सदर पूर्वी मंडल अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद, मंडल उपाध्यक्ष राजकुमार महतो, मंडल मंत्री सोनी देवी, मंडल कोषाध्यक्ष महेश प्रसाद, मंडल कार्यसमिति सदस्य अर्जुन प्रसाद मेहता, बद्री मेहता, सिंदूर मुखिया सरोज देवी, सिन्दूर मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा पंडित, तुलशी यादव,इंद्रदेव प्रसाद मेहता, चंद्रधारी प्रसाद, विनोद कुमार पांडेय, बजरंगी महतो, अशोक यादव, तुलेश्वर यादव, मोहन प्रसाद, प्रदीप तिवारी, कृष्णा मेहता, सुरेश प्रसाद मेहता, दीपक कुमार मेहता, संजय मेहता, तुलसी पासवान, डॉ.प्रदीप मेहता, मूलचंद प्रसाद मेहता, संजय प्रसाद मेहता, बद्री महतो, प्रदीप प्रसाद, बद्री राम, पूर्व प्रमुख दीपक कुमार मेहता, सुरेश प्रसाद, राकेश कुमार, अनूप मेहता, नसीम अंसारी, कमल प्रसाद, सुरेश प्रसाद मेहता, कैलाश प्रसाद मेहता, योगेश्वर प्रसाद मेहता, प्रकाश साहू सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

सहकार भारती के स्थापना दिवस को लेकर बैठक का हुआ आयोजन, विधायक ने सौंपी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। सहकार भारती के 45वें स्थापना दिवस को लेकर कुरवाई रोड स्थित अनंत श्री गार्डन मैं रविवार को कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने कार्यकर्ताओं से चर्चा कर 11 जनवरी को होने वाले सहकार भारती के स्थापना दिवस को भव्य बनाने के लिए जानकारी दी एवं ज्यादा से ज्यादा संख्या में सफल आयोजन हो इसके लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। बैठक में स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। बैठक में बताया गया कि सहकार भारती अपना 45वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा हैं यह हमारे लिए गौरव की बात है और स्थापना दिवस को लेकर पहली बार।

शिवाजी शाखा पामाखेड़ी ने मनाया वार्षिकोत्सव

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। रविवार को ग्राम पामाखेड़ी में लगने वाली शिवाजी शाखा ने वार्षिक उत्सव मनाया ,जिसमें शाखा के स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकाला जिसमें सभी स्वयंसेवक संघ गीत गाते हुए कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर शाखा में प्रतिदिन होने वाले शारीरिक कार्यों का सामूहिक रूप से प्रदर्शन किया। जिसमें दंड के प्रयोग दंड योग व्यायाम योग सूर्य नमस्कार सामूहिक समता आदि का शानदार प्रदर्शन किया गया । इसके बाद विदिशा विभाग के विभाग शारीरिक शिक्षण प्रमुख श्री त्रिवेश जी लोधी का बौद्धिक हुआ जिसमें उन्होंने बताया कि भारतीय जीवन पद्धति प्रकृति के साथ सह अस्तित्व, वसुधैव कुटुंबकम की भावना वाली है लेकिन दुनिया आपको तब तक नहीं स्वीकार सकती जब तक आप शक्तिशाली ना हो क्योंकि कोई भी निर्बल की बात को कभी नहीं स्वीकार करता. इसलिए समाज और राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने के लिए, बिखरी हुई समाज को संगठित करना जरूरी . समाज की सबसे छोटी इकाई व्यक्ति है व्यक्ति निर्माण से ही समाज का संगठन संभव है. व्यक्ति निर्माण का केंद्र संघ की. प्रतिदिन लगने वाली शाखा है. शाखा में व्यक्ति का शारीरिक और बौद्धिक विकास होता है इस दौरान बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जिम संचालक को बधाई देने पहुंचे सदर विधायक युवाओं में उनके साथ सेल्फी लेने की मची होड़

शहर के बाबूगांव चौक पर आदित्य विजन प्रतिष्ठान के ऊपरी तल्ले में रविवार को एक कंप्लीट यूनिसेक्स जिम ÷द जोन फिटनेस जिम÷ का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन के पश्चात शाम को सदर विधायक मनीष जायसवाल यहां पहुंचकर संचालक पिंटू यादव से मिलकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दिया एवं उनके नवीन प्रतिष्ठान के उज्जवल भविष्य की कामना ईश्वर से की। यहां जिम संचालक पिंटू यादव के नेतृत्व में युवाओं ने सदर विधायक मनीष जायसवाल का अभूतपूर्व स्वागत किया उनके साथ सेल्फी के लिए युवाओं के बीच होड़ दिखी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ने कादरपुर में लगाई चौपाल , योजनाओं की दी जानकारी

सिरोंज - मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा गठित प्रस्फुटन समिति कदरपुर एवं सीएमसीएलडीपी छात्रा फिरदोष के द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता स्वच्छता पर्यावरण महिला सशक्तिकरण सहित विभिन्न विषय को लेकर मंथन किया गया , जिसमें पूर्व मेंटर्स अभिषेक कुशवाह के द्वारा बताया गया कि हमें गांव को आदर्श ग्राम बनाना है यदि आज हम गांव को ही अपना परिवार माने एवं गांव की समस्या अपनी समस्या माने तब ना तो सड़क पर कचड़ा दिखाई देगा ना ही आसपास गंदगी आज हम अपना घर तो साफ करते हैं लेकिन घर के सामने सड़क पर पड़ा हुआ कचरा हम साफ नहीं करते वही गांव की गंदगी एक बड़ा रूप लेकर अनेक प्रकार की बीमारियों को जन्म देती है ऐसा एक विषय नहीं है ऐसे अनेकों विषय है लेकिन यदि हम आदर्श ग्राम बनाने का भाव रखते हैं निश्चित ही गांव को हमारा परिवार मानकर काम करेंगे वही सीएमसीएलडीपी छात्रा फिरदोष खान ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुखिया स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने का सपना देख रहे हैं इसकी शुरुआत भी गांव से ही होना है यदि हम अपने गांव को लेकर अच्छा सोचते हैं तब निश्चित ही गांव विकास करता है इस दौरान ग्राम के सरपंच मुनव्वर अली, प्रस्फुटन प्रतिनिधि रतनलाल, सीएमसीएलडीपी छात्रा फिरदोष खान एसएचजी मेंबर संजीता शाक्य सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बाईक आपस में टकराई, गंभीर हालत में घायलों को किया अस्पताल में भर्ती

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

लांजी- लांजी बालाघाट मार्ग पर लांजी मुख्यालय से तकरीबन 4 किमी दुर ग्राम ईटोरा में 8 जनवरी 2023 को शाम करीब 5:30 बजे

हेलमेट होता तो सर पर नहीं आती चोंट

दो मोटर सायकल आपस मे भिड गई जिसमे बाईक सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये है जिन्हे 108 एंबुलेंस के पायलट सुनील कालबेले एवं डॉ प्रमोद गायधने के द्वारा सिविल अस्पताल लांजी उपचार्थ हेतु पंहुचाया गया है। घटना के संबंध में में प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय उइके पिता तुलसी राम उईके उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम कोचेवाही अपने घर से किराने का समान खरीदने के लिए कोचेवाही से बोलेगाव की ओर अपनी गाडी़ एच एफ डीलक्स से जा रहा था। वहीं दूसरी तरफ से मोहन बड़घैया पिता तोड़बाज़ी बड़घैया निवासी सोगलपुर जो भिमोडी़ से सोगलपुर अपनी बहन के घर से किसी कार्यक्रम में अपनी गाड़ी फैसन प्लस से जा रहे थे। दोनो वाहन इटोरा मोड़ के पास आपस में टकरा गए, टकराते ही दोनो वाहन सहित जमीन मे गिर गये, इस दुर्घटना में दोनो ही बाइक चालकों को गंभीर चोटे आई है। घटना स्थल पर मौजूद लोगो ने एंबुलेंस को सूचना दी, सूचना के बाद एंबुलेंस मौके पर पंहुची एवं दोनो घायलो को अतिशिघ्र सिविल अस्पताल लांजी पंहुचाया गया जहां उपस्थित डॉक्टर्स एवं स्टाफ के द्वारा घायलों को उपचार कर भर्ती किया गया है। यदि दोनों वाहन चालक हेलमेट पहने होते तो उन्हें सर पर गंभीर चोटें नहीं आती।

वर्णवाल मोदी समाज के मिलन समारोह में शामिल हुए माननीय विधायक

हजारीबाग वर्णवाल मोदी समाज का परिवार मिलन समारोह रविवार को स्थानीय बड़ा बाज़ार स्थित जैन धर्मशाला सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग सदर विधायक मनीष कुमार जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने वर्णवाल मोदी समाज के इस तरह के परिवार मिलन समारोह की प्रशंसा की और समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में हजारीबाग के सैकड़ों वर्णवाल समाज के लोग शामिल हुए। समारोह में समाज के प्रतिभावान बच्चों और महिलाओं की और के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। मौके पर समाज के बेहतर कार्य करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित भी किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से वर्णवाल मोदी सेवा समाज हजारीबाग के अध्यक्ष सूरज कुमार, लक्ष्मी नारायण, अशोक कुमार विज्ञान, विनोद कुमार वर्णवाल, राम रतन कुमार वर्णवाल, डॉ. अमर वर्णवाल, रंजीत वर्णवाल, डॉ. क्षितिज आनंद, प्रो. बीडी वर्णवाल, परमेश्वर मोदी, राम कुमार वर्णवाल, अर्जून वर्णवाल, संजय वर्णवाल, शंभू वर्णवाल, रितेश वर्णवाल, महेंद्र वर्णवाल, मंजू वर्णवाल, रेणू वर्णवाल, डॉ रजनी कुमारी, अनुराधा आनंद, डोली बरणवाल, संगीता वर्णवाल, शिखा वर्णवाल सहित वर्णवाल समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए ।

लड़की को पहली डेट पर ले जाते समय न करें ये गलतियां, दूसरी मुलाकात का मिलेगा मौका

नए दौर में लड़का और लड़की किसी रिश्ते में बंधने से पहले एक दूसरे को समझने के चरण में होते हैं। वह एक दूसरे के साथ वक्त बिताकर पहले ये जानने का प्रयास करते हैं कि क्या शख्स उनका पार्टनर बनने योग्य है। चाहें रिलेशनशिप में आना हो या शादी का फैसला करना हो, पहले लड़का और लड़की डेट पर जाते हैं और एक दूसरे को समझते हैं। अपनी पहली डेट को लेकर हर कपल उत्साहित रहता है। वह चाहते हैं कि पहली डेट पर पार्टनर को इम्प्रेस कर सकें, ताकि रिश्ता दूसरे चरण पर जाए। हालांकि इस उत्साह के कारण कभी कभार हड़बड़ाहट या जल्दबाजी में उनसे कुछ गलतियां भी हो जाती हैं। जाने-अनजाने में की गई गलतियों के कारण पहली डेट के आखिरी डेट में तब्दील होने की संभावना भी बढ़ जाती है और पार्टनर आपसे दोबारा मिलना पसंद नहीं करता। डेट को लेकर लड़कों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। अगर आप किसी लड़की के साथ पहली बार डेट पर जा रहे हैं तो कुछ सामान्य गलतियों से बचें, ताकि लड़की आपसे दोबारा मिलने की इच्छा रखे और दूसरी डेट के लिए झट से मान जाए।

गलत जगह का चयन

पहली बार किसी लड़की को डेट पर ले जा रहे हैं तो उन्हें सहज महसूस कराएं। इसके लिए जरूरी है कि डेट के लिए सही जगह का चयन करें। पहली डेट के लिए लड़की को किसी सुनसान या ऐसी जगह पर न ले जाएं, जहां वह असहज महसूस करें। बहुत अधिक भीड़ भाड़ या बिल्कुल खाली जगह से बेहतर है कि किसी कम भीड़ भाड़ वाले कैफे या रेस्तरां में जाएं, ताकि आराम से एक दूसरे से बात कर सकें।

गलत शब्दों में बातचीत करना

लड़के अक्सर अपशब्दों का उपयोग करते हैं। दोस्तों या करीबियों से जिस लहजे में बात करते हैं, उस लहजे में पहली ही डेट पर बात न करें। जैसे हैं, वैसे ही रहने की कोशिश करें लेकिन बातों में ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से बचें, जिससे लड़की के सामने आप का इंप्रेशन खराब हो जाए। सम्मान पूर्वक बात करें। गलत बातें करने से बचें। पहली ही डेट पर लड़की से ऐसा कुछ न पूछें जो उन्हें असहज कर दे।

दिखावा करना

पहली डेट पर लड़की को इम्प्रेस करने के चक्कर में दिखावा न करें। शेखी बघारने या दिखावा करने से वह आपसे दूरी बना सकती हैं। उनके सामने सच्चे रहें। आपकी बातों से यह बिल्कुल भी महसूस न हो कि आप किसी तरह का दिखावा कर रहे हैं।

लड़की की पसंद को समझें

डेट पर लोग पार्टनर को इम्प्रेस करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं लेकिन इस चक्कर में वह पार्टनर की पसंद नापसंद के बारे में भूल जाते हैं। आपने पहली डेट पर लड़की के लिए बहुत कुछ प्लान किया होगा लेकिन इस योजना में उनकी राय को शामिल करें। जैसे आप अगर डेट पर फिल्म देखना चाहते हैं तो लड़की की पसंद पूछें। उनके लिए कुछ ऑर्डर कर रहे हैं तो पहले उन से राय लें।

सर्दियों के इस मौसम में कहीं आप भी न हो जाएं मोटापे के शिकार, इन बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी

सर्दियों का मौसम कई प्रकार से हमारी सेहत के लिए चुनौतीपूर्ण माना जाता है। तापमान गिरने के साथ न सिर्फ सर्दी-जुकाम होने का समस्या बनी रहती है, साथ ही कुछ प्रकार के क्रोनिक दर्द की दिक्कत भी आपको परेशान कर सकती है। इन सबके बीच इस मौसम में मोटापे को भी साइलेंटली बढ़ने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता है, यानी कि

आपको पता भी नहीं चलता है और इस मौसम में आपका वजन बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ वजन बढ़ने की स्थिति को कई प्रकार की बीमारियों के प्रमुख कारण के तौर पर जानते हैं, वजन को कंट्रोल में रखना सभी लोगों के लिए बहुत आवश्यक है। अध्ययनों से पता चलता है कि सर्दी के मौसम में लोग अधिक खाते हैं, इसके सापेक्ष शारीरिक गतिविधियां काफी कम हो जाती हैं। लोगों का ज्यादातर समय घरों के भीतर ही बीत जाता है जिसके कारण वजन बढ़ने की समस्या हो सकती है। सर्दियों के ज्यादातर आहार भी हाई-कार्ब्स और मीठी चीजों से भरपूर होते हैं जिसके कारण वजन बढ़ने का खतरा बना रहता है। ऐसे में सभी लोगों को इन दिनों में खान-पान और शारीरिक सक्रियता पर खास ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जिससे वजन को कंट्रोल में रखा जा सके।

सर्दियों में वजन बढ़ने का कारण

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो कई कारण वजन बढ़ने की समस्या के लिए जिम्मेदार माने जा सकते हैं, पर सर्दियों में वजन बढ़ने का मुख्य कारण कैलोरी का अधिक सेवन करना है। इसके अलावा शारीरिक गतिविधियों में कमी, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल के कारण भी जोखिम बढ़ जाता है। वजन को कंट्रोल में रखने के लिए जरूरी है कि हम सभी आहार पर ध्यान देने के साथ नियमित रूप से अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने के लिए व्यायाम जरूर करें। कुछ बातों का ध्यान रखकर वजन को कंट्रोल रखा जा सकता है।

खान-पान पर दें ध्यान

सर्दियों के इस मौसम में आहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है, विशेषकर अधिक कैलोरी और कार्ब्स वाली चीजों को खाने से बचना चाहिए। चाहे आप वजन बढ़ाने या घटाने की कोशिश कर रहे हों, प्रोटीन आपके आहार का मुख्य हिस्सा होना चाहिए।

सिर में रक्त संचार बढ़ाकर कई बीमारियों में पा सकते हैं लाभ, जानिए इसके लिए किन आसनों का करें अभ्यास

शरीर के सभी अंगों को ठीक तरीके से काम करते रहने के लिए निरंतर पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त रक्त की आवश्यकता होती है। रक्त प्रवाह में होने वाली कमी के कारण कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं के विकसित होने का खतरा रहता है। अन्य अंगों की तरह सिर में भी निरंतर रक्त प्रवाह जरूरी है। इसमें आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा के कारण कोशिकाओं की क्षति के अलावा गंभीर स्थितियों में स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्या का जोखिम हो सकता है। कुछ अंतर्निहित समस्याओं के कारण रक्त का प्रवाह बाधित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नियमित रूप से योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर सिर के साथ पूरे शरीर में रक्त के संचार को बेहतर रखने में मदद मिल सकती है। मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए यह आवश्यक है।

शीर्षासन योग का अभ्यास

मस्तिष्क में रक्त के संचार को बढ़ावा देने के लिए रोजाना शीर्षासन योग का अभ्यास करना लाभकारी माना जाता है। सिर में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने के साथ तनाव कम करने और आंखों को स्वस्थ रखने के लिए इस योग से विशेष लाभ पाया जा सकता है। खोपड़ी में रक्त प्रवाह बढ़ने से आंखों और बालों को स्वस्थ रखने में भी मदद मिलती है। इस योग को किसी विशेषज्ञ की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

अधोमुख शवासन योग

अधोमुख शवासन योग को विशेषज्ञ स्वास्थ्य के लिए विशेष लाभप्रद अभ्यास में से एक मानते हैं। मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने के साथ तनाव और चिंता को दूर करने, पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देने, पीठ के निचले हिस्से में दर्द को कम करने और मांसपेशियों में अकड़न की दिक्कत से छुटकारा दिलाने में इस योग के अभ्यास के लाभ हो सकते हैं। अधोमुख शवासन योग का अभ्यास पूरे शरीर की मांसपेशियों की सक्रियता को बढ़ाने में काफी मददगार है।

चाइल्ड पोज से मिलता है

लाभ बालासन योग या चाइल्ड पोज भी सिर में रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देने का सबसे कारगर अभ्यास है। इस योग के नियमित अभ्यास से पीठ और रीढ़ की बेहतर स्ट्रेचिंग हो जाती है। सिर में रक्त का प्रवाह बढ़ने से मस्तिष्क की कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती और मानसिक स्वास्थ्य में भी इससे लाभ पाया जा सकता है। मन की अशांति, चिंता और थकान जैसी समस्याएं इस योग के नियमित अभ्यास से कम होती हैं। सिर में रक्त संचार बढ़ाकर कई बीमारियों में पा सकते हैं लाभ, जानिए इसके लिए किन आसनों का करें अभ्यास शरीर के सभी अंगों को ठीक तरीके से काम करते रहने के लिए निरंतर पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त रक्त की आवश्यकता होती है। रक्त प्रवाह में होने वाली कमी के कारण कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं के विकसित होने का खतरा रहता है। अन्य अंगों की तरह सिर में भी निरंतर रक्त प्रवाह जरूरी है। इसमें आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा के कारण कोशिकाओं की क्षति के अलावा गंभीर स्थितियों में स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्या का जोखिम हो सकता है। कुछ अंतर्निहित समस्याओं के कारण रक्त का प्रवाह बाधित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नियमित रूप से योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर सिर के साथ पूरे शरीर में रक्त के संचार को बेहतर रखने में मदद मिल सकती है। मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए यह आवश्यक है।

शीर्षासन योग का अभ्यास

मस्तिष्क में रक्त के संचार को बढ़ावा देने के लिए रोजाना शीर्षासन योग का अभ्यास करना लाभकारी माना जाता है। सिर में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने के साथ तनाव कम करने और आंखों को स्वस्थ रखने के लिए इस योग से विशेष लाभ पाया जा सकता है। खोपड़ी में रक्त प्रवाह बढ़ने से आंखों और बालों को स्वस्थ रखने में भी मदद मिलती है। इस योग को किसी विशेषज्ञ की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

अधोमुख शवासन योग

अधोमुख शवासन योग को विशेषज्ञ स्वास्थ्य के लिए विशेष लाभप्रद अभ्यास में से एक मानते हैं। मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने के साथ तनाव और चिंता को दूर करने, पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देने, पीठ के निचले हिस्से में दर्द को कम करने और मांसपेशियों में अकड़न की दिक्कत से छुटकारा दिलाने में इस योग के अभ्यास के लाभ हो सकते हैं। अधोमुख शवासन योग का अभ्यास पूरे शरीर की मांसपेशियों की सक्रियता को बढ़ाने में काफी मददगार है।

चाइल्ड पोज से मिलता है लाभ

बालासन योग या चाइल्ड पोज भी सिर में रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देने का सबसे कारगर अभ्यास है। इस योग के नियमित अभ्यास से पीठ और रीढ़ की बेहतर स्ट्रेचिंग हो जाती है। सिर में रक्त का प्रवाह बढ़ने से मस्तिष्क की कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती और मानसिक स्वास्थ्य में भी इससे लाभ पाया जा सकता है। मन की अशांति, चिंता और थकान जैसी समस्याएं इस योग के नियमित अभ्यास से कम होती हैं।

पोटैशियम की कमी से हृदय गति पर होता है असर, क्या आपके आहार में है इसकी मात्रा?

हृदय की गति में असामान्यता के कारण कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का खतरा रहता है। सामान्य रूप से वयस्कों के लिए रेस्टिंग हार्ट रेट 60 से 100 बीट प्रति मिनट तक होती है। इसमें होने वाली कमी या अधिकता, दोनों ही स्थिति गंभीर समस्याओं का संकेत मानी जाती है। हृदय गति का सामान्य से लगातार अधिक बने रहना हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थितियों का भी कारण बन सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कुछ अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा आहार में पोषक तत्वों की कमी के कारण भी हृदय की गति में असामान्यता हो सकती है। पोटैशियम की कमी होना ऐसी ही एक समस्या है। पोटैशियम कई खाद्य पदार्थों में स्वाभाविक रूप से पाया जाता है। हमारी कोशिकाओं के अंदर द्रव के सामान्य स्तर को बनाए रखने और रक्तचाप को कंट्रोल करने में इसकी भूमिका होती है। इसके अलावा पोटेशियम मांसपेशियों के कॉन्ट्रैक्शन और हार्टरेट को सामान्य बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है। आइए जानते हैं कि इसकी कमी में किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं, तथा इसकी पूर्ति के लिए क्या किया जाना चाहिए?

पोटैशियम की कमी के कारण होने वाली समस्याएं

आहार में पोटैशियम वाली चीजों की मात्रा

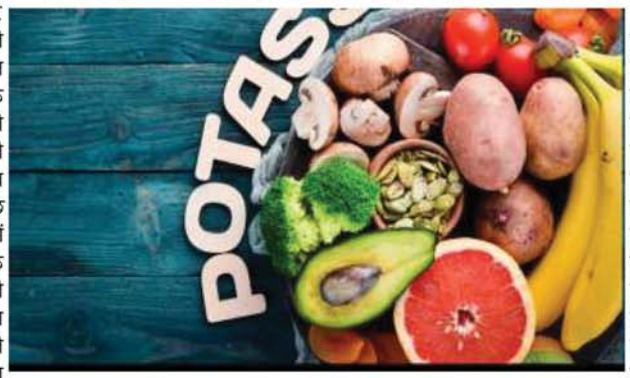

कम होने के कारण इसके स्तर में कमी आ सकती है, इस स्थिति को मेडिकल की भाषा में हाइपोकैलेमिया भी कहते हैं। पोटेशियम ऐसा आवश्यक खनिज है जो शरीर में तरल पदार्थों को नियंत्रित करने, मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को ठीक से काम करते रहने में मदद करता है। शरीर में इसकी कमी हो जाने के कारण रक्तचाप और हृदय की गति प्रभावित हो जाती है। समय रहते इस समस्या का उपचार न होने के कारण हृदय पंप करना बंद कर सकता है, जोकि जानलेवा स्थिति मानी जाती है। आइए जानते हैं कि इस पोषक तत्व की पूर्ति कैसे की जा सकती है?

पोटैशियम के लिए खाएं केला

वयस्कों के लिए प्रतिदिन 1600 से 2000 मिलीग्राम की मात्रा में पोटैशियम की आवश्यकता होती है। कई प्रकार के फलों-सब्जियों से इसे प्राप्त किया जा सकता है। केला, पोटैशियम के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक हैं। एक केले में 451 मिलीग्राम तक पोटैशियम होता है। प्रतिदिन दो-तीन केले आपके दैनिक जरूरतों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। यह स्वादिष्ट फल विटामिन-सी, विटामिन-बी6, मैग्नीशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है।

शकरकंद भी अच्छा आहार

शकरकंद भी आसानी से शरीर के लिए आवश्यक पोटैशियम की पूर्ति कर सकता है। 1 कप (328-ग्राम) शकरकंद से पोटैशियम के दैनिक जरूरतों का 16 फीसदी तक प्राप्त किया जा सकता है।

स्नोफॉल का लेना चाहते हैं आनंद? जनवरी में इस स्थानों पर ले सकते हैं बर्फबारी का मजा

भारत में बर्फबारी देखने के स्थानों की तलाश कर रहे हैं, तो इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही कुछ खास पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका जनवरी के इस महीने में भरपूर आनंद लिया जा सकता है। बर्फबारी देखना यकीनन काफी आनंदकारक अनुभवों में से एक होता है, अगर आप भी स्नोफॉल का आनंद लेना चाहते हैं, तो जनवरी का यह मौसम सबसे अनुकूल माना जाता है। कई राज्य ऐसे हैं जहां की बर्फबारी देखने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी लोग जनवरी में आते हैं। तो क्यों न इस बार स्नोफॉल देखने जाने की प्लानिंग कर ली जाए? जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के कई हिस्सों की बर्फबारी पर्यटकों के लिए काफी आकर्षण का केंद्र रही है और जनवरी का यह महीना इस मामले में सबसे खास माना जाता है। औली (उत्तराखंड) उत्तराखंड के कई स्थान हमेशा पर्यटकों की पहली पसंद रहे हैं, वहीं अगर आप स्नोफॉल देखना चाह रहे हैं तो जनवरी के इस महीने में औली की प्लानिंग कर सकते हैं। जनवरी के महीने में यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। यह जगह जोशीमठ से शुरू होने वाली भारत की सबसे लंबी केबल कार सवारी के लिए भी प्रसिद्ध है। औली भारत की दूसरी सबसे ऊंची पर्वत नंदा देवी (7816 मीटर) सहित हिमालय की चोटियों के मनोरम दृश्यों का आनंद लेने के लिए सबसे लोकप्रिय स्थानों में से एक है। धनोल्टी (उत्तराखंड) औली के अलावा धनोल्टी में भी जनवरी के इस महीने में बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। धनोल्टी शीतकालीन पर्यटन के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। दिसंबर के आखिर और जनवरी में यहां की बर्फबारी देखने पर्यटकों की भारी भीड़ जमा होती है। यहां के खूबसूरत प्राकृतिक नजारे और इस मौसम में जमी बर्फ आपके लिए काफी आनंददायक अनुभूति होने वाली है। लद्दाख (जम्मू-कश्मीर) सर्दियों में लद्दाख की यात्रा हमेशा से लोगों के ट्रैवेल विश लिस्ट में रही है। लद्दाख में सर्दी कड़ाके की होती है और तापमान गिरने के बाद दिसंबर-जनवरी के इस मौसम में पूरा इलाका सफेद बर्फ की चादर से मानो ढक सा जाता है। लद्दाख के कुछ हिस्सों में कभी-कभी रात में तापमान -30 डिग्री या -40 डिग्री तक भी हो जाता है। साफ नीले आकाश के साथ बर्फीली भूमि का आनंद लेने के लिए जनवरी में यहां की यात्रा की जा सकती है। नैनीताल (उत्तराखंड) उत्तराखंड में स्थित नैनीताल को हिल स्टेशन क्वीन के नाम से भी जाना जाता है।

सर्दियों के इस मौसम में कहीं आप भी न हो जाएं मोटापे के शिकार, इन बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी

भारत में संक्रमितों की संख्या बढ़ी, विशेषज्ञ से जानिए- कितना खतरनाक है ये नया वैरिएंट?

वैश्विक स्तर पर कोरोना संक्रमण का जोखिम बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। चीन में जहां ओमिक्रॉन के इत्र7 वैरिएंट के कारण हालात बदतर हैं, वहीं हाल ही में अमेरिका में कोरोना के नए इइ.1.5 वैरिएंट की पुष्टि की गई है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह नया वैरिएंट गंभीर रोग के जोखिमों को भी बढ़ाने वाला हो सकता है, अमेरिका में हाल ही में इस वैरिएंट के कारण अस्पतालों में भीड़ बढ़ती हुई देखी गई है। भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां कोरोना के इस वैरिएंट के कारण अब तक कुल सात लोगों को संक्रमित पाया गया है। क्या भारत में भी इसके कारण स्थिति बिगड़ सकती है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने कोरोना के खतरे को लेकर लोगों को अलर्ट करते हुए गंभीरता से कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर की पालन करते रहने की अपील की है। डॉक्टर्स का कहना है कि जिस तरह से इइ.1.5 वैरिएंट के कारण कुछ देशों में स्थिति

बिगड़ी है, इससे सीख लेते हुए हमें पहले से ही सावधान रहने की जरूरत है। कोरोना के नए वैरिएंट्स में देखे जा रहे म्यूटेशन कई प्रकार के जोखिमों को बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

भारत के लिए कितना खतरा

कोरोना के नए इइ.1.5 वैरिएंट से क्या भारत में भी हालात बिगड़ने की आशंका है? इस सवाल के जवाब में कोरोना रोगियों का इलाज कर रहे नोएडा में आपातकालीन चिकित्सा विभाग के डॉक्टर श्रेय श्रीवास्तव कहते हैं- नए वैरिएंट की प्रकृति चिंताजनक है और जिस तरह से अमेरिका सहित कुछ देशों से जानकारियां मिल रही हैं, वह और डराती हैं। पर भारत में फिलहाल इससे ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। यहां इइ.1.5 वैरिएंट से जरूर कुछ लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है, पर सरकार संक्रमण की रोकथाम को लेकर काफी अलर्ट है। हां, व्यक्तिगत तौर पर सुरक्षा में की गई लापरवाही जोखिमों को बढ़ाने वाली जरूर हो सकती है।

वैक्सीनेशन बनाती हैं हमें और सुरक्षित

डॉक्टर श्रेय कहते हैं, देश की 90% आबादी को टीके की प्राथमिक दो खुराक और 30-40 फीसदी लोगों को बूस्टर खुराक मिल चुकी है। टीकाकरण की दर हमें अन्य देशों की तुलना में अधिक सुरक्षित बनाती है। जिन देशों में कोरोना के कारण हालात बिगड़े हैं वहां टीकाकरण की दर कम होना एक समस्या रही है। इस लिहाजे से भारत के लिए अधिक सुरक्षित हैं। पर इन वैरिएंट्स की प्रतिरक्षा को चकमा देकर संक्रमण फैलाने की क्षमता भी देखी जा रही है, जो डराती है। इस जोखिम से सुरक्षित रहने के लिए बचाव के उपाय जैसे मास्क, हाथों की स्वच्छता और सोशल-डिस्टेंसिंग बहुत आवश्यक है।

भारत में कोरोना की स्थिति

आंकड़ों से पता चलता है कि फिलहाल भारत में कोरोना की स्थिति काफी नियंत्रित है। पिछले 24 घंटे में यहां संक्रमितों के 214 नए मामलों की पुष्टि की गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि देश में इइ.1.5 वैरिएंट से फिलहाल सात लोग संक्रमित हैं, इसके अलावा कुछ मामले इत्र7 और इइ वैरिएंट के देखे जा रहे हैं। कोरोना के बढ़ते वैश्विक जोखिम को देखते हुए भारत सरकार ने बचाव के उपाय और जांच को बढ़ा दिया है। लोगों को संक्रमण से अधिक सुरक्षित करने के लिए बूस्टर डोज की दर भी बढ़ाई गई है।

XBB.1.5 वैरिएंट कोरोना के ओमिक्रॉन फैमिली का ही एक नया सदस्य है जिसकी प्रकृति के बारे में जानना जरूरी है।

एलीवेटेड रोड़ के प्रथम चरण का काम हर हाल में 31 मार्च 2024 तक पूर्ण कराएँः श्री सिंधिया

ग्वालियर । एलीवेटेड कोरीडोर निर्वाध यातायात के साथ-साथ ग्वालियर शहर के महानगरीय स्वरूप में बदलाव और चहुँमुखी विकास में अहम भूमिका निभायेगा। इसलिए एलीवेटेड रोड़ के दोनों चरण के काम उच्च गुणवत्ता के साथ और तेजी से पूर्ण किए जाएँ। यह निर्देश केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर शहर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा एलीवेटेड रोड़ के प्रथम चरण का काम हर हाल में 31 मार्च 2024 तक पूर्ण हो जाना चाहिए। इसमें से 80 प्रतिशत

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने की ग्वालियर शहर के विकास कार्यों की समीक्षा, कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

काम आगमी अक्टूबर माह तक पूरा करें। रविवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने एलीवेटेड रोड़, हजार बिस्तर अस्पताल, मुरार नदी का जीर्णोद्धार, रेलवे स्टेशन का निर्माण व सौंदर्यीकरण, डीआरडीई लैब महाराजपुरा व जीवाजी विश्वविद्यालय में प्रस्तावित मेडीकल कॉलेज सहित अन्य विकास कार्य एवं खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारी व कोविड-19 से बचाव के लिए एहतियात बतौर किए जा रहे उपायों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़, लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी व बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल भी मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि निर्माणाधीन एलीवेटेड रोड़ की हर सप्ताह की प्रगति रिपोर्ट मय फोटोग्राफ के भेजें। इसमें यह भी स्पष्ट किया जाए कि हर हफ्ते निर्माण में कितनी प्रगति हो रही है। उन्होंने हाल ही में लगभग 885 करोड़ रूपए की लागत से मंजूर हुए द्वितीय चरण की एलीवेटेड रोड़ की टेण्डर प्रक्रिया भी जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझाव पर एलीवेटेड रोड पर वाहनों के चड़ने-उतरने के लिए अतिरिक्त एप्रिन (लूप) बनाए जा सकते हैं। लेकिन इस बात का भलीभाँति परीक्षण कर लिया जाए कि इससे एलीवेटेड रोड़ बनाने के उद्देश्य पर विपरीत प्रभाव न पड़े अर्थात आवागमन बाधित न हो। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रथम चरण की एलीवेटेड रोड़ पर 17 व द्वितीय चरण की रोड़ पर 13 लूप प्रस्तावित हैं। ज्ञात हो प्रथम चरण में ट्रिपल आईटीएम से महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक स्वर्ण रेखा पर लगभग 406 करोड़ रूपए की लागत से 6.50 किलोमीटर लम्बाई में फोर लेन एलीवेटेड कोरीडोर / फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। द्वितीय चरण में महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा से हनुमान बाँध होते हुए गिरवाई पुलिस चौकी एबी रोड़ तक स्वर्ण रेखा पर 7.42 किलोमीटर लम्बाई में एलीवेटेड रोड़ बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा 778 करोड़ 14 लाख रूपए की राशि मंजूर की गई है।

हजार बिस्तर अस्पताल के जनरल वार्ड भी होंगे वातानुकूलित और अंडरपास बनेगा-हजार बिस्तर अस्पताल की समीक्षा के दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर अस्पताल के जनरल वार्ड को भी वानुकूलित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि यह काम प्रमुखता से किया जाए, इसके लिये धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। बैठक में जेएएच के पुराने परिसर और नवनिर्मित हजार बिस्तर अस्पताल को जोड़ने के लिये आधुनिक अंडरब्रिज बनाने पर सहमति बनी है। श्री सिंधिया ने बैठक में कहा कि नवनिर्मित हजार बिस्तर अस्पताल में सफाई एवु सुरक्षा कर्मियों और मॉड्यूलर ऑपरेशन टेबल्स इत्यादि के लिये सरकार से बजट दिलायेंगे। उन्होंने इसका प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। जेएएच के डीन डॉ. अक्षय निगम ने हजार बिस्तर अस्पताल के संचालन के लिए कुल 474 सफाई व सुरक्षा कर्मियों की जरूरत बैठक में

बताई। वर्तमान में 118 कर्मचारी काम कर रहे हैं। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में विशेषज्ञ फैकल्टीज की पदस्थापना में मदद का भरोसा भी श्री सिंधिया ने दिलाया। उन्होंने कहा तथ्यों के साथ इसका प्रसताव शासन को भेजें। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने बैठक में स्पष्ट किया कि नवनिर्मित हजार बिस्तर अस्पताल में सभी जरूरी सुविधाएँ मुकम्मल हो जाने के बाद ही इसका उदघाटन कराया जायेगा।

हैरीटेज स्वरूप बरकरार रखते हुए करें रेलवे स्टेशन का निर्माण व सौंदर्यीकरण-केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने रेलवे के अधिकारियों को बैठक में निर्देश दिए कि नए रेलवे स्टेशन का निर्माण व सौंदर्यीकरण पुराने स्टेशन के हैरीटेज स्वरूप को बरकरार रखते हुए करें। बैठक में बताया गया कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन के निर्माण व सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 463 करोड़ रूपए की राशि भारत सरकार द्वारा मंजूर की गई है। श्री सिंधिया ने यह भी निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन बजरिया की दुकानों को प्रस्तावित आईएसबीटी परिसर जैसे स्थानों पर शिफ्ट करें, जिससे दुकानदारों का कारोबार अच्छे ढंग से चल सके। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्लेटफार्म नं.-4 की ओर तानसेन रोड़ के चौड़ीकरण के लिए रेलवे की बाउण्ड्रीवॉल को पीछे खिसकाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे के सहयोग से इस रोड़ को फोरलेन बनाया जा सकता है। श्री सिंधिया ने रेलवे के अधिकारियों को इस कार्य को प्रमुखता से अंजाम देने के निर्देश दिए। श्री तोमर ने नए रेलवे स्टेशन के लिये फूलबाग पर बनने जा रहे विद्युत उप केन्द्र से बिजली की आपूर्ति दिलाने की बात कही।

मुरार नदी के जीर्णोद्धार के साथ रमौआ व जड़ेरूआ बांध को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करें-रमौआ डैम से जड़ेरूआ बाँध तक मुरार नदी के जीर्णोद्धार के लिए एक बार में डीपीआर तैयार करने के निर्देश केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि रमौआ व जड़ेरूआ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार कर उस पर अमल करें। इस आशय का सुझाव बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल ने दिया था। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रथम चरण में लगभग 2.72 किलोमीटर लम्बाई में मुरार नदी के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो चुका है। पहले चरण में पाँच जगहों पर सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्य कराए जायेंगे। उन्होंने शेष लगभग 9 किलोमीटर लम्बाई में मुरार नदी के जीर्णोद्धार के लिये एक ही डीपीआर तैयार करने को कहा। ज्ञात हो मुरार नदी के जीर्णोद्धार के लिए प्रथम चरण में 39 करोड़ रूपए से अधिक धनराशि मंजूर हुई है।

जेएएच के ट्रामा सेंटर का होगा विस्तार-केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि संभाग के सबसे बड़े अस्पताल जेएएच के ट्रामा सेंटर के विस्तार व आधुनिकीकरण के लिए वे अपनी निधि से मदद देने को तैयार हैं, इसका प्रस्ताव बनाएँ। बैठक में मौजूद ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ट्रामा सेंटर के विस्तार की ओर ध्यान आकर्षित किया था।

अगली बैठक का एजेण्डा भी बताया-केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जल्द ही फिर से ग्वालियर शहर के विकास कार्यों की समीक्षा की जायेगी। उन्होंने अगली बैठक के एजेंडे में महाराज बाड़ा सौंदर्यीकरण, पट्टा वितरण, टूरिस्ट प्लान, शहर की पेयजल योजना के तीनों भाग, शासकीय मुद्रणालय, शहर के चारों प्रवेश द्वार, शहर में प्रस्तावित हैरीटेज रेल और स्वच्छता को शामिल किया है। लघु उद्योग निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी द्वारा डबरा की शुगर मिल की जमीन पर काबिज अनुसूचित जनजाति के परिवारों को आवासीय पट्टे दिलाने एवं सामुदायिक अस्पताल में चिकित्सकों की कमी और बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाने की ओर ध्यान आकर्षित किया। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया और ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इन समस्याओं का जल्द समाधान करने का भरोसा दिलाया।

बैठक में इनकी भी रही मौजूदगी-शहर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल व श्री रामबरन सिंह गुर्जर, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री अभय चौधरी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा तथा सर्वश्री मदन कुशवाह, मोहन सिंह राठौर व कमल माखीजानी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। साथ ही संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी व स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नीतू माथुर, मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. अक्षय निगम व अधीक्षक डॉ. आर के एस धाकड़ सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

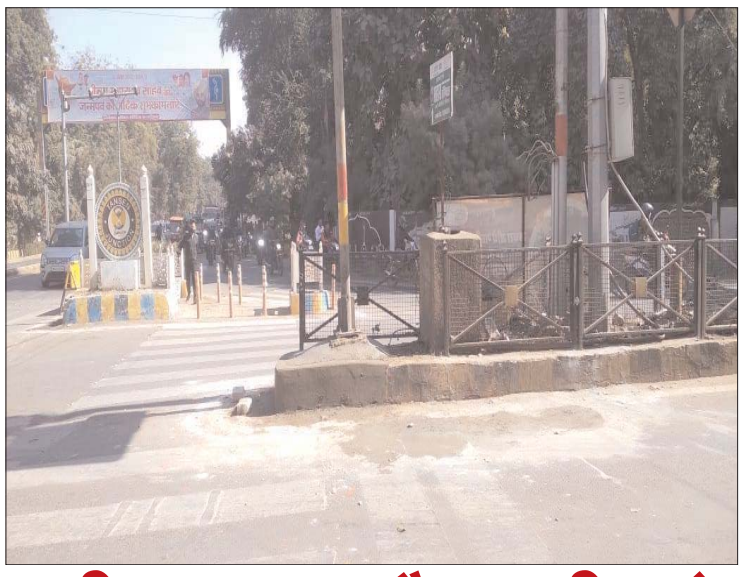

ग्वालियर बदल रहा है, जन सुविधा के लिए तत्पर नगर निगम का अमला

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा अपने नियमित कार्यों के साथ-साथ आमजन की सुविधा के लिए विभिन्न माध्यमों से मिलने वाली सूचनाओं पर तत्काल शहर विकास, शहर सौंदर्यीकरण एवं मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्य पूर्ण कराए जाते हैं जिससे आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े। नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल के निर्देशन में निगम के विभिन्न विभागों के शहर विकास के लिए तत्पर कार्य कराते हैं। क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 11 के क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव द्वारा आज जोन क्रमांक 11 वार्ड क्रमांक 30 के अंतर्गत होटल तानसेन के सामने अज्ञात वाहन के द्वारा डिवाइडर तोड़ दिया गया था, सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्राधिकारी अनिल श्रीवास्तव के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर उसको सही कराया गया। इसके साथ ही शिवपुरी लिंक रोड पर पीडब्ल्यूडी की सड़क पर एक बड़ा गड्ढा हो गया था, जिससे दुर्घटना की संभावना थी। इसकी सूचना मिलते ही अधीक्षण यंत्री जनकार्य जेपी पारा द्वारा उक्त कार्य को पूर्ण कराया गया तथा गड्ढा करवाया गया इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी विभाग के संबंधित अधिकारियों को उक्त सड़क के संबंध में सूचना प्रदान की गई।

जिनके पास प्रेम धन है- वो निर्धन हो नहीं सकता: सुप्रसिद्ध भागवताचार्य

पारदी मोहल्ला शिंदे की छावनी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित श्री घनश्याम शास्त्री जी महाराज ने कहा कि राजा परीक्षित की मृत्यु सातवें दिन सर्प दंश से होनी थी। जिस व्यक्ति को यह पता चल जाए कि उसकी मृत्यु सातवें दिन होगी, वह क्या करेगा, क्या सोचेगा। राजा परीक्षित यह जानकर अपना महल छोड़ दिए। श्रीकृष्ण की ओर से राजा परीक्षित को दिए गए श्राप से मुक्ति के लिए उन्हें भाई सुखदेव से मिलने की कथा सुनाई। कहा कि भागवत कथा का श्रवड आत्मा का परमात्मा से मिलन करवाता है। सुखदेव मुनि ने राजा परीक्षित से कहा कि सब को सात दिन में ही मरना है। इस सृष्टि में आठवां दिन तो अलग से बना नहीं है। संसार में जितने भी प्राणी हैं। सभी परिचित हैं, सब की मृत्यु एक न एक दिन तो होनी है। जो मनुष्य एक बार आवाज श्रीमद् भागवत कथा श्रवण कर लें और उसे सुनकर जीवन में उतार लें तो उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। उसे भगवान की प्राप्ति हो जाती है। ज्ञान के बिना जीवन में अंधेरा है और आचरण के बिना जीवन की पवित्रता नहीं है। चेतना के विकास के लिए ज्ञान के साथ-साथ अ'छा आचरण होना जरूरी है आगे शास्त्री जी ने कहा कि ने श्रीकृष्ण सुदामा की दोस्ती पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजा हो या रंक दोस्ती में सभी बराबर हैं। सुदामा एक गरीब ब्राह्मण थे, लेकिन दिल से अमीर थे। सुदामा और कृष्ण जैसी मित्रता आज कहां है। सुदामा से श्रीकृष्ण ने मित्रता का धर्म निभाया। जिनके पास प्रेम धन है वह निर्धन नहीं हो सकता। दोस्ती में जात पात, ऊंच नीच, अमीर गरीब नहीं देखा जाता है। मित्रता को स'चे मन से निभाने की जरूरत होती है। दोस्ती में स्वार्थ नहीं होनी चाहिए। इससे दोस्ती में दरार पैदा हो जाती है। मित्रता का धर्म निभाएं। सुख-दुख में भागीदारी हों। महंत नरेंद्र मिश्रा पप्पी महाराज,सरिता विष्णु मिश्रा ने भागवत पुराण की आरती की।

रायपुर में आरक्षण को लेकर सामान्य वर्ग की बड़ी बैठक

रायपुर। सरकार द्वारा 76प्रतिशत आरक्षण संशोधन विधेयक विधानसभा से पास कराने से नाराज़ सामान्य वर्ग के विभिन्न सामाजिक संगठनों की बैठक रायपुर के समता कालोनी में सम्पन्न हुई। बैठक में सामान्य वर्ग के सामाजिक संगठन ब्राह्मण समाज, क्षत्रिय समाज, वैश्य अग्रवाल समाज, जैन समाज, सिंधी समाज, मुस्लिम समाज आदि के विभिन्न लोगों ने बैठक में भाग लिया। सामान्य वर्ग के प्रमुखों ने कहा की आरक्षण सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन अनुसार होनी चाहिए। सामान्य वर्ग 50त्र जातिगत आरक्षण का समर्थक है, जिसमें एससी, एसटी, ओबीसी का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके तथा 50त्र आरक्षण ओपन फॉर ऑल कैटेगरी÷ के अनुसार हो जिसमे सभी वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी,जनरल) के युवाओं को अवसर मिल पाए।

76प्रतिशत आरक्षण नीति लाने से सभी वर्गों का नुकसान होगा, तथा प्रतिभाशाली युवाओं को अवसर नहीं मिल पाएगा, जिसका दूरगामी परिणाम सभी समाजों एवं देश को भुगतना पड़ेगा। सरकार की 76प्रतिशत आरक्षण नीति स्वेच्छाचारी और असंवैधानिक प्रतीत होती है, क्योंकि पूर्व में उच्च न्यायलय ने इस तरह की आरक्षण नीति 58प्रतिशत आरक्षण नीति 2012 तथा 82प्रतिशत आरक्षण नीति 2019 को असंवैधानिक करार दिया है। अतः यह विधेयक केवल चुनाव जुमला साबित होगा तथा छत्तीसगढ़ के समाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाली एवं आपसी मतभेद पैदा कर वोट बैंक की राजनीति की जा रही है। छत्तीसगढ़ के सारे समाज आपसी सौहार्द बनाएं रखते हुए इस विभाजनकारी नीतियों का विरोध करेंगे।

रतन ज्योति नेत्रालय द्वारा झुग्गी झोपड़ी के बच्चों के लिए शीतकालीन वस्त्रों का वितरण

रतन ज्योति नेत्रालय द्वारा समय-समय पर समाज सेवा के क्षेत्र में मेडिकल कैंप एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाता रहा है इसी क्रम में आज रविवार को सेवार्थ पाठशाला की बड़ागांव फक्कड़ बाबा मंदिर के सामने वाली पाठशाला जिसमें बच्चे निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं एवं सभी परिवार खुली एरिया में झुग्गी झोपड़ी में रह रहे हैं उनके बच्चों के सहायतार्थ रतन ज्योति नेत्रालय की संरक्षिका डॉ श्रीमती प्रियंवदा भसीन एवं डॉ पुरंदर भसीन जी के मार्गदर्शन के अंतर्गत अस्पताल के वृंदावन जी शर्मा द्वारा लगभग 30 बच्चों को स्वेटर एवं 30 महिलाओं को साड़ी वितरित की गई इस अवसर पर सेवार्थ पाठशाला के संरक्षक श्री ओपी दीक्षित जी द्वारा इस अवसर पर रतन ज्योति नेत्रालय समूह का आभार एवं समय-समय पर सेवार्थ पाठशाला में दिए जा रहे योगदान की सराहना की उन्होंने कहा दिव्यांगता

अभिशाप नहीं एक चुनौती है और उसको एक वरदान में बदला जा सकता है यह एक अवसर है जिससे हम अपने जीवन में संजीदगी के साथ उचित मार्गदर्शन एवं समाज के सहयोग से कीर्तिमान कायम कर सकते हैं। समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री आनंद नारायण जी गौड़ के बड़े चिरंजीव श्री रवि गौड़ जी ने राष्ट्रीय रानी लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा संस्थान में दिव्यांग खिलाड़ियों के क्रिकेट के बीच पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया उनको फल इत्यादि स्वल्पाहार करवाया तथा रतन ज्योति नेत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर खिलाड़ियों का तीव्र ठंड में उत्साहवर्धन करके उनको स्वेटर का वितरण भी किया। प्रदेश व्हील चेयर एसोसिएशन ,श्री वृंदावन शर्मा जी प्रतिनिधि, रतन ज्योति नेत्रालय, आदरणीय प्रियंवदा जी भसीन तथा श्री गौड़ जी के प्रति आभार व्यक्त करती है। कार्यक्रम का संचालन भूतपूर्व सैनिक अधिकारी मनोज पांडे द्वारा किया गया इस अवसर पर पाठशाला के शिक्षक श्री राजेंद्र यादव जी ,श्री अभिनंदन कुशवाहा जी श्री राम स्वदेश राठौर एवं अन्य समाजसेवी मौजूद रहे।

भाजपा महिला मोर्चा का लाड़ली लक्ष्मी सम्मेलन संपन्न

प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना हो रही है वरदान साबितः सिसोदिया

श्योपुर-भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चे का लाडली लक्ष्मी सम्मेलन भाजपा जिला कार्यालय पर आज दोपहर संपन्न हुआ। जिसमें मध्य प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान जी के द्वारा चलाई जा रही लाडली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित हुई बालिकाओं का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाडली लक्ष्मी योजना के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री महावीर सिंह सिसोदिया ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना वरदान साबित हो रही है। इस योजना से प्रदेश की अनगिनत बेटियां लाभान्वित हुई है। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा आज बेटियों को निशुल्क शिक्षा, निशुल्क गणवेश सहित आगामी समय से लाडली लक्ष्मी योजना-2 में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित अनेकों कोर्स सरकार द्वारा प्रदेश की बेटियों को मुफ्त करवाए जाएंगे। आज के इस कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्यगण श्री दुर्गालाल विजय, श्री कैलाश नारायण जी गुप्ता, जिला महामंत्री श्री शशांक भूषण, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज तोमर, नगर पालिका श्योपुर अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग, जनपद पंचायत श्योपुर की अध्यक्षा श्रीमती रीना आशीष मीणा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती कविता मीणा, भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती मिथिलेश तोमर ने भी संबोधित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका श्योपुर की अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग तथा संचालन महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती मंजेश साहू के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती उमा शर्मा, श्रीमती रमा वैष्णव, श्रीमती अल्पना गर्ग, श्रीमती सुनीता तिवारी, श्रीमती मंजू गोयल, श्रीमती कश्मीर कौर, श्रीमती ममता मित्तल, श्रीमती सपना गर्ग, श्रीमती मंजू राठौर आदि सहित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478